

सीजेआई सजीव खन्ना ने केंद्र सरकार का पक्ष रहे सॉलिसिटर से पूछा

साफ-साफ बताएं, क्या हिंदू संस्थाओं में मुस्लिमों की एंट्री होगी?

वक्फ कानून पर कोर्ट ने नहीं सुनाया अंतरिम आदेश, आज भी होगी सुनवाई, सरकार ने दी दलीलें, कोर्ट ने वक्फ बाय यूजर को लेकर किए कठोर सवाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज मैराथन सुनवाई हुई। ऐक्ट के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं पर कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वकीलों ने दलीलें दीं तो वहीं केंद्र सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रखा। इस दौरान चीफ जस्टिस सजौव खन्ना ने एक तीखा सवाल केंद्र के वकील तुषार मेहता से ही दाग दिया। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने वक्फ बोर्ड

में हिंदुओं की एंट्री पर सवाल उठाए तो चीफ जस्टिस ने तुषार मेहता से पूछा कि क्या हिंदू संस्थाओं में मुस्लिमों को एंट्री मिल सकती है। चीफ जस्टिस खन्ना ने कहा, %मिस्टर मेहता, क्या आप यह कह सकते हैं कि अब से हिंदू संस्थाओं में मुस्लिमों को भी एंट्री मिल जाएगी। वे उसका हिस्सा हो सकते हैं। इसका जवाब आप साफ-साफ दें। चीफ जस्टिस ने वक्फ संपत्तियों पर विवादों में कलेक्टर को निर्णय लेने की पावर दिए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि

आखिर वक्फ संपत्तियों पर फैसला अदालत क्यों नहीं दे सकती। चीफ जस्टिस ने कहा कि आखिर अदालत वक्फ संपत्ति पर फैसला क्यों नहीं कर सकती। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन की ताकत कलेक्टर को मिली है। वक्फ का रजिस्ट्रेशन तो हमेशा से अनिवार्य था। उन्होंने कहा कि वक्फ बाई यूजर भी रजिस्ट्रेशन के जरिए होता है। उन्होंने कहा कि 1995 के ऐक्ट में भी ऐसा ही था। कोर्ट ने वक्फ बाय यूजर को लेकर भी सरकार से कठिन सवाल



किए। इसके बाद केंद्र ने कोर्ट से मामले की सुनवाई कल करने का निवेदन किया। सरकार की बात मानते हुए कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार दोपहर दो बजे का समय तय किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने यह भी कहा कि एक बात बहुत परेशान करने वाली है, वह है- हिंसा। यह मुद्दा न्यायालय के समक्ष है और हम इस

पर निर्णय लेंगे। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जाए।

इससे पहले याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है

तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा। सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं।

इसके बाद सिब्बल ने कहा कि 20 करोड़ लोगों का अधिकार छिना जा रहा है। मान लीजिए कि मेरे पास कोई संपत्ति है। मैं इसे दान करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि वहां

अनाथालय बनाया जाए। इसमें क्या परेशानी है। मुझे रजिस्टर कराना क्यों जरूरी है? इस पर सीजेआई ने कहा कि वक्फ को पंजीकृत कराएंगे तो ये आपकी मदद करेंगे। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि जो अल्लाह का है, वो वक्फ है। कानून में बूढ़े दावों से बचने के लिए वक्फ डीड का प्रावधान है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगी जाएगी तो यहां समस्या है।

बीफ न्यूज

सैरी! कोर्ट का आदेश पता नहीं था, निगम ने मांगी माफी

मुंबई। सांप्रदायिक हिंसा के आरोपियों की संपत्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने साफ हिदायत दी थी कि कोई भी कार्रवाई तय कानूनी प्रक्रिया और सभी जरूरी सुरक्षा उपायों को अपनाए बगैर नहीं की जा सकती लेकिन नागपुर नगर निगम ने दंगा आरोपी फहीम खान का दो-मंजिला मकान गिरा दिया। अब जब मामला हाई कोर्ट पहुंचा, तो नगर निगम ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के सामने बिना शर्त माफी मांगी है। निगम आयुक्त अभिजीत चौधरी की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि टाउन प्लानिंग और स्लम विभाग के अधिकारी नवंबर 2023 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अनजान थे। इसीलिए फहीम खान का घर गिरा दिया।

कैब चालक ने वाहनों को मारी टक्कर, लोगों ने की जमकर पिटाई, मौत

अहमदाबाद। एक टैक्सी चालक की कथित तौर पर गुस्साई भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला। दरअसल, कैब ने कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अहमदाबाद शहर में एक टैक्सी चालक की कथित तौर पर गुस्साई भीड़ द्वारा पिटाई किए जाने के बाद उसकी मौत हो गई। चालक के नशे में होने का शक है। पुलिस ने बताया कि पांच से छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि चालक की हत्या भीड़ ने की थी या नहीं। मौत के सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा है।

दामाद को लेकर भागी सास नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

अलीगढ़। बेटे की शादी से दस दिन पहले होने वाले दामाद के साथ फरार हो गई सास को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के फरार होने के बाद से पुलिस इनकी तलाश में जुटी थी। दोनों का मोबाइल ऑफ होने से कुछ पता नहीं चल पा रहा था। इस बीच मंगलवार को दामाद ने फोन अनल किया तो पुलिस ने उनकी लोकेशन पकड़ ली। बुधवार को घेबंदी कर दोनों को नेपाल बार्डर से गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रयोग

रेल मंत्री ने किया वीडियो शेरार, ‘एटीएम ऑन व्हील्स’ दिया नाम

भारत में पहली बार ट्रेन में लगाया एटीएम, ट्रायल हुआ सफल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में पहली बार किसी ट्रेन के अंदर एटीएम मशीन लगाई गई है। इस तरह का पहला प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया है। इस पहल को-एटीएम ऑन व्हील्स-नाम दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस एटीएम की वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर की है, जो खूब चर्चा में है।

यह पहल रेलवे बोर्ड के उस निर्देश का हिस्सा है जिसमें कहा गया था कि यानि किराए के अलावा



कमाई बढ़ाने के लिए नई और नयी सोच के तरीके अपनाए जाएं। इसी के तहत 25 मार्च 2025 को रेलवे

ने सभी संभावित वेंडों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में चलती ट्रेनों में मोबाइल एटीएम लगाने का

पहल का उद्देश्य क्या?

ट्रेन में एटीएम लगाने से यात्रियों को कहीं भी आते-जाते पैसे निकालने की सुविधा देना है। इसके अलावा किराए के अलावा रेलवे को अतिरिक्त कमाई का जरिया मिलना और साथ ही रेलवे को और आधुनिक और स्मार्ट बनाना है।

विचार रखा गया, जिसे बाद में मंजूरी भी मिल गई। ट्रेन में एटीएम का पहला ट्रायल 10 अप्रैल 2025 को मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस में किया गया। ट्रेन के मिनी पैंटी (छोटे किचन) वाले हिस्से को एटीएम लगाने के लिए तैयार किया

गया। रेलवे की मैकेनिकल टीम ने यह काम किया और एटीएम को सुरक्षित रूप से फिट किया। रबर पैड और बोल्ड्स की मदद से एटीएम को ट्रेन के चलने के दौरान लगने वाले झटकों और कंपन से बचाया गया। दो अनिशमन यंत्र भी उस जगह पर लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा बनी रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जारी की लाइली बहना की 23वीं किस्त, कई सौगातें भी दीं

हमारी बहनें सशक्त हों... खुशहाल हों यही हमारा संकल्प

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से मुख्यमंत्री लाइली बहनों योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना की राशि हितग्राहियों के खाते में अंतरित की। इस दौरान सीएम डॉ. यादव विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह-निकाह कार्यक्रम में शामिल हुए। मंडला जिले से प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाइली बहनाओं के खाते में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। राज्य सरकार द्वारा अब तक लाइली बहनों को 35,000 करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान राशि प्रदान की जा चुकी है। मंडला जिले के टिकरवारा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ आयोजन में पहुंचने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया यहां 1100 जोड़ों का विवाह संपन्न कर उनके नए जीवन की शुरुआत की गई।

बता दें कि प्रदेश सरकार द्वारा 28 जनवरी, 2023 को शुरू की



सीएम मोहन 16वीं बार दिया तोहफा

मोहन सरकार अप्रैल में 16वीं बार बहनों को लाइली बहना योजना की राशि ट्रांसफर की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली बार 10 जनवरी 2024 को 1.29 करोड़ लाइली बहनों के खातों में 1576.61 करोड़ ट्रांसफर किए थे। जनवरी के बाद फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त (1500 रुपए), सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर के बाद अब जनवरी 2025, फरवरी, मार्च और अब अप्रैल में सीएम मोहन यादव 16वीं बार बहनों को तोहफा दिया।

गई लाइली बहना योजना के लाभ से अगर कोई महिला वंचित रह गई है तो उनके लिए सरकार ने नई पहल की है। किसी कारणवश इस योजना में आवेदन करने से असमर्थ रह गई महिलाओं के लिए सरकार लाइली बहना योजना 3.0 शुरू करने जा रही है। इस योजना के तीसरे चरण में वह सभी महिलाएं शामिल हो

सकती हैं जो पहले और दूसरे चरण में चूक गई थीं। बता दें कि लाइली बहना योजना का पहला और दूसरा चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में लाइली बहना योजना में 1,29,00,000 महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस

अवसर पर 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ रुपए की राशि अंतरित किया। मुख्यमंत्री 25 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से भेजी। कार्यक्रम से पहले सीएम मोहन यादव ने कहा कि नारी

जस्टिस बीआर गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश सजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी। जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। वे 14 मई को सीजेआई पद की शपथ ले सकते हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल हालांकि छह महीने का ही होगा क्योंकि वे नवंबर 2025 में रिटायर हो रहे हैं।



हिरासत में लिया गया था। उन्हें बंगलूरू में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और इंडी की हिरासत में भेज दिया गया। इंडी ने इस मामले में इस महीने की शुरुआत में तलाशी ली और अपनी पहली गिरफ्तारी केबीडीसी के पूर्व महाप्रबंधक बीके नागराजप्पा के रूप में की। वह भी वर्तमान में एजेंसी की हिरासत में हैं।

कहिए-भैया.. साइड हो जाइए दूसरों को आगे जाने दीजिए

एजेंसी ■ अहमदाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि गुजरात में पार्टी कार्यकर्ता भले ही हतोत्साहित हों, लेकिन केवल उनकी पार्टी ही संघ और भाजपा को हरा सकती है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि सीनियर नेता बने घूम रहे हैं, लेकिन कई बूथ नहीं जितवा पाते। कई ऐसे भी लोग हैं, जो बीजेपी के साथ मिले हुए हैं, उनको हमें पहचान कर प्यार से परे करना है। हिंसा से नहीं, नफरत से नहीं, प्यार से। उनसे कहना है कि-भैया.. साइड हो जाइए, दूसरों को आगे जाने दीजिए। एक सप्ताह में गुजरात की अपनी दूसरी यात्रा के



दौरान कांग्रेस सांसद ने राज्य में संगठन को नया रूप देने के लिए रोडमैप पेश किया और पार्टी के उन नेताओं को हटाने का वादा किया जो या तो निष्क्रिय हैं या भाजपा के लिए काम करते हैं। राहुल ने कहा कि बैठक में एक अच्छी बात मुझे सही हुई कि अलग-अलग सीनियर नेता आते हैं तो जादू से हर जिले में लोग दो-तीन दिन के लिए बाहर आ जाते हैं और फिर जाने पर वापस गांव हो जाते हैं, लेकिन इनके पास कोई पकड़ नहीं होती। राहुल ने सवाल उठाते हुए कहा कि सीनियर नेता बने घूम रहे हैं, लेकिन बूथ नहीं जिता पाते। हम उन लोगों को ताकत देना चाहते हैं, जिनकी पकड़ बूथ से है और लोकल हैं।

गुजरात में राहुल बोले- सीनियर नेता बने घूम रहे, बूथ तक नहीं जितवा पाते

बिहार में दलित बस्ती में लगी आग चार बच्चों समेत पांच की मौत

15 बच्चे लापता, पुलिस व स्थानीय लोग खोजते आए नजर

एजेंसी ■ मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से ज्यादा घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों जलने से मौत हो गई है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी पंचायत की है। बताया जा रहा है कि गोलक पासवान के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरे झुग्गी इलाके में फैल गई जिसमें कई लोग फंस गए और उनकी जान चली गई। हालांकि 15



बच्चे अब तक लापता बताए जा रहे हैं। इन बच्चों की खोजबीन की जा रही है। मुजफ्फरपुर के डीएम ने बताया कि गांव के गोलक पासवान में घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग काफी फैल चुकी थी। आग लपेटें बहुत तेज थी

जिस कारण बच्चे डर गए और बाहर नहीं निकल पाए और आग की चपेट में आ गए। आग लगने से 4 बच्चों और एक व्यक्ति की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर एसडीएम को भेजा गया है। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है। स्थानीय लोग ने बताया कि राजू पासवान के 3 बच्चों की आग में झुलसने से मौत हो गई है।

बीफ न्यूज

अपर संचालक जनसंपर्क जैन को मिलेगा लोक संपर्क सम्मान

भोपाल। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के भोपाल चैप्टर द्वारा रविवार, 20 को आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस के कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक संजय कुमार जैन को लोक संपर्क सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान रवीन्द्र भवन भोपाल के गौराजनी सभागार में सुबह साढ़े दस बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने बताया है कि राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'रिस्पॉन्सिबल यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : रोल ऑफ पब्लिक रिलेशंस' विषय पर विशेष व्यामख्यान का आयोजन किया जाएगा।

सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूँ की खरीदी

भोपाल। प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल पर सामुच्चिक अवकाश होने के बावजूद गेहूँ की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूँ विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें।

विधायकों की कमेटी करेगी सांची दुग्ध प्लांट कारिरीक्षण

भोपाल। भोपाल में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के बीच दूध उत्पादन बढ़ाने को लेकर हुए एमओयू के बीच अब विधानसभा की कृषि विकास समिति भोपाल और इंदौर संभाग का दौरा कर इसके बारे में जानकारी लेगी। कृषि विकास समिति के सभापति और सदस्यों की टीम इस दौरान भोपाल में हबीबगंज भोपाल के सांची दुग्ध संघ के प्लांट और नए लैब का निरीक्षण करेंगे। यहां किसानों से किए जाने वाले दूध के कलेक्शन, प्रोडक्ट का प्रोडक्शन किए जाने और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। विधानसभा की कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार और उनकी टीम भोपाल और उज्जैन संभाग का दौरा 21 से 23 अप्रैल तक करेगी। समिति का दौरा 21 अप्रैल को एमपी राज्य पशुधन और कुक्कुट विकास निगम के केंद्रीय वीर्य संग्रहण केंद्र करवा डैम से शुरू होगा।

कांग्रेस का मूल चरित्र ही तुष्टिकरण और काम निकालने का रहा है



बीजेपी कार्यालय में हुआ प्रदेश स्तरीय वक्ता कार्यशाला का शुभारंभ

निजी हितों के लिए कांग्रेस ने किए संविधान में मनमाने संशोधन

सत्ता सुधार ■ भोपाल
भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में बुधवार को प्रदेश स्तरीय वक्ता कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित एवं महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। कार्यशाला में संविधान को नमन कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यशाला को भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

बाबा साहब के नाम का उपयोग वोट बैंक के लिए किया

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा का संगठन तंत्र बूथ स्तर तक सक्रियता से कार्य करता है, इसलिए राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा हमें दिए गए इस अभियान को बूथ स्तर पर साकार करना है। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान किया और संविधान के साथ खिलवाड़ करती रही। कांग्रेस ने संविधान में 75 बार से अधिक संशोधन कर उसकी मूलभावना के साथ कुटाराघात किया है। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति की है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारों ने पंचतीर्थ बनाकर बाबा साहब को सम्मान दिया।

लाल सिंह आर्य ने संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की चमड़ी बहुत मोटी हो गई है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सबसे ज्यादा अपमान करने का काम अगर किसी ने किया है तो वह कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस ने संविधान में एक-दो बार नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों के हिसाब से अनेकों संशोधन करने का काम किया। अब जब नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं पर चार्जशीट दाखिल हुई, तो ईडी के दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन किया जा रहा है। क्या कांग्रेस कानून से बड़ी हो गई है? कांग्रेस का मूल चरित्र ही तुष्टिकरण कर अपना

काम निकालने का रहा है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि बाबा साहब का जन्म महू में हुआ। प्रदेश में कांग्रेस की सरकारों ने अंबेडकर के नाम पर कुछ नहीं किया। जब-जब भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बनीं बाबा साहब अंबेडकर को सम्मान देने का काम किया गया। हमारी सरकार ने बाबा साहब के नाम से सागर में सेंचुरी, कामधेनु योजना और महू में स्मारक बनाने का काम किया है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महू को दिल्ली से ट्रेन के माध्यम से जोड़ने का काम किया गया है।

कृषक कल्याण मिशन किसानों के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल



सत्ता सुधार ■ भोपाल
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है।

किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए मंत्रिपरिषद ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

प्रारंभ की है। इससे हम घर-घर गोकुल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमने गौशालाओं में दुधारू पशुओं के लिए भी अनुदान राशि बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की विकसित भारत @2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिए हैं। मंत्रि-परिषद की गत दिवस मंगलवार को बैठक में मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को विशेषकर गरीबों और किसानों को आर्थिक रूप से सुखी और समृद्ध बनाने के लिए प्राण-प्रण से कार्य कर रही है।

सीधी जिले की दरी और कालीन प्रदेश की शान

बुनकर मुद्रा योजना के साथ प्रदेश के बुनकरों की तरक्की होगी



सत्ता सुधार ■ भोपाल
कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत सीधी जिले की दरी और कालीन को खास पहचान मिली है। सीधी जिले के दरी और कालीन मध्यप्रदेश की शान हैं। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा एवं नर्मदा के वनों के ककून से दवाई बनाई जाएगी। पाउडर, क्रीम, सेरीबैंडेज, सिजेरियन ड्रेसिंग, डायबिटिक घाव की ड्रेसिंग तथा ऑपरेशन के बाद की ड्रेसिंग निर्मित होंगी। रेशम बाव की गीला नहीं रखता, शरीर के साथ भी नहीं चिपकता तथा रेशम से फायब्रोयिन नामक प्रोटीन निकलता है, जो जख्मों, डायबिटीज से

केन्द्र सरकार साझा प्रयास कर बुनकरों को हक और प्रोत्साहन दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि रेशम के धागे से दवाइयों और सेरीबैंडेज का निर्माण होगा। ऐसा नवाचार करने के मामले में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा एवं नर्मदा के वनों के ककून से दवाई बनाई जाएगी। पाउडर, क्रीम, सेरीबैंडेज, सिजेरियन ड्रेसिंग, डायबिटिक घाव की ड्रेसिंग तथा ऑपरेशन के बाद की ड्रेसिंग निर्मित होंगी। रेशम बाव की गीला नहीं रखता, शरीर के साथ भी नहीं चिपकता तथा रेशम से फायब्रोयिन नामक प्रोटीन निकलता है, जो जख्मों, डायबिटीज से

रेशम की विशेषताएं

रेशम एक मजबूत प्राकृतिक फाइबर है, जो घर्षण और तनाव का प्रतिरोधी होता है। रेशम के धागे से पाउडर, क्रीम, सेरीबैंडेज और सिजेरियन ड्रेसिंग का निर्माण होता है। रेशम नमी को सोख लेता है, जो इसे गर्मियों के कपड़ों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है। रेशम लचीला होता है, जो इसे विभिन्न प्रकार के कपड़ों और उत्पादों के लिए उपयुक्त बनाता है।

ऊंगलियों में होने वाले घाव और गर्भवती महिलाओं के सर्जिकल डिलीवरी के घाव को कम समय में ठीक करता है। इससे संक्रमण की संभावना भी नगण्य हो जाती है।

3 साल से जमे कर्मचारियों का होगा ट्रांसफर

भोपाल। ट्रांसफर के लिए कोशिश में जुटे कर्मचारी अधिकारियों के लिए तबादलों का रास्ता जल्द खुलने जा रहा है। राज्य सरकार जल्द ही तबादलों से रोक हटाने जा रही है। राज्य शासन ने इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सामान्य प्रशासन विभाग जल्द ही तबादला नीति तैयार कर मुख्य सचिव कार्यालय को सौंपेगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा कर इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार करेंगे। बताया जा रहा है कि इस माह के अंत तक तबादला नीति को राज्य शासन की मंजूरी मिल सकती है। नई तबादला नीति में एक ही स्थान पर तीन सालों से जमे अधिकारी कर्मचारियों को हटाया जाएगा। ऐसे अधिकारियों को दूसरे जिलों में भेजा जाएगा।

86वें राइजिंग डे परेड में शामिल होंगे अमित शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को नीमच आए। शाह नीमच में रात में विश्राम कर गुरुवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 86वीं राइजिंग डे परेड के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार शाम को उदयपुर से बीएसएफ हेलीकॉप्टर से नीमच सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पहुंचे। अमित शाह गुरुवार सुबह 8 बजे सीआरपीएफ के परेड ग्राउंड में आयोजित 86वीं राइजिंग डे परेड में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। परेड के बाद दोपहर 1 बजे गृह मंत्री दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। सीआरपीएफ की जन्मस्थली नीमच में आयोजित होने वाला यह 86वां केंद्रीय सीआरपीएफ दिवस समारोह 2025 का विशेष आयोजन है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: प्रदेश में जारी है संरक्षण और सफाई ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय



सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में 30 मार्च से निरंतर जल संरचनाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सफाई और गहरीकरण के बाद पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण की शुरूआत क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की उपस्थिति में भूमि-पूजन से हुई। सांसद कुशवाह ने बताया कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना में 3 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है।

सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों की सफाई के साथ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। चितरंगी शासकीय कन्या विद्यालय में जल के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। धार जिले में नगर के रामतलाई तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में जिला आयुष कार्यालय से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों ने तालाब की सफाई का कार्य किया।

बड़वानी जिले में जन भागीदारी से जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। जनपद पंचायत पानसेमल के ग्राम राखी बुजुर्ग में विधायक श्याम बर्डे के उपस्थिति में वाटर शेड मिशन में कार्य की शुरूआत की गई।

रैली निकाल कर दिया जल बचाने का संदेश

कटनी जिले के रीठी में जल संवर्धन अभियान में जल स्रोतों के साफ-सफाई का अभियान निरंतर जारी है। रीठी में जन अभियान परिषद के सहयोग से छात्र-छात्राओं ने जल जागरूकता के लिये नगर के मुख्य मार्गों से रैली निकाली। इस मौके पर बाजार में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नदी, तालाब और हेंडपंप के आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश जल सामान्य को दिया गया।

चंदेल कालीन तालाब में सामुहिक श्रमदान

टीकमगढ़ जिले में ग्राम पंचायत करमारई में जल गंगा संवर्धन अभियान में चंदेल कालीन प्राचीन तालाब की साफ-सफाई का कार्य सामुहिक श्रमदान से किया गया। जन सामान्य को जल संरक्षण के कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने की शपथ दी लई गई। टीकमगढ़ जिले में जिला प्रशासन द्वारा महेन्द्र सागर तालाब स्थित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 8.50 एकड़ भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया।

क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। बुरहानपुर जिले के नेपानगर परिषद द्वारा ऐतिहासिक सीताहानी धार्मिक पर्यटन स्थल के पवित्र कुंडों की साफ-सफाई, रंगाई-पुनाई की गई।

जनरल उपेंद्र ‘विंध्य की माटी का गौरव’

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने थलसेना अध्यक्ष का किया स्वागत



सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज अपने भोपाल स्थित निज निवास पर भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी एवं उनकी धर्मपत्नी का सपरिवार आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य अंचल की धरती से निकलकर

वीरता, नेतृत्व क्षमता एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनरल द्विवेदी विंध्य क्षेत्र के उन अनमोल रत्नों में से हैं, जिन पर सम्पूर्ण प्रदेश को गर्व है। शुक्ल ने कहा कि जनरल द्विवेदी जैसे व्यक्तित्वों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

विरोध

पिंजरे में तोता लेकर ईडी कार्यालय पहुंचे पीसीसी चीफ जीतू पटवारी

तपती धूप में सड़क पर लेट गए कांग्रेसी, जमकर की नारेबाजी

बैरिकेड पर चढ़े तो पुलिस ने रोका, धक्का मुक्का भी हुई

सत्ता सुधार ■ भोपाल
नेशनल हेराल्ड मामले में हुई कार्रवाई को लेकर देश भर में कांग्रेस पार्टी लगातार विरोध कर रही है। मध्य प्रदेश के सभी बड़े नेता विरोध दर्ज कर रहे हैं। बुधवार को पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ भोपाल में प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में जीतू पटवारी पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर पहुंचे। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अफसरों ने बीएसएनएल मुख्यालय का मेन गेट बंद कर दिया। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पर चढ़ने की



कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने जब प्रदर्शनकारियों को ईडी ऑफिस तक नहीं जाने दिया तो कांग्रेस के

कार्यकर्ता तपती धूप में सड़क पर ही लेटकर नारेबाजी करने लगे।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं के

खिलाफ चार्ज शीट पेश किए जाने का विरोध करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पीसीसी चीफ पटवारी प्रवर्तन निदेशालय की दफ्तर पर पिंजरे में प्रतीकात्मक तोता लेकर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने बीएसएनएल ऑफिस के बाहर पुलिस अफसर को ज्ञापन के साथ ही पिंजरे में रखा तोता भी भेंट किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था मोदी सरकार सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं के जरिए विपक्ष को परेशान कर रही है। केंद्र सरकार ने तोते की तरह ईडी को अपने कैद में कर रखा है। भोपाल में अरेरा हिल्स पर बीएसएनएल ऑफिस परिसर में ही प्रवर्तन निदेशालय का क्षेत्रीय कार्यालय है। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते

ईडी ऑफिस का बोर्ड पुलिस ने ढंका

पुलिस ने जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ईडी ऑफिस तक नहीं जाने दिया तो प्रदर्शनकारी तपती धूप में सड़क पर ही लेटकर नारेबाजी करने लगे। बीएसएनएल ऑफिस के बाहर लगा ईडी ऑफिस का बोर्ड पुलिस ने कांग्रेसियों के पहुंचने के पहले ही ढंका दिया। जब कांग्रेस के कार्यकर्ता पहुंचे और ईडी ऑफिस के बोर्ड से बैनर हटाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें जाने नहीं दिया। इस दौरान थोड़ी बहुत धक्का मुक्का भी हुई।

हुए पुलिस अफसरों ने बीएसएनएल मुख्यालय का मेन गेट बंद कर दिया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं सोनू तोमर, राहुल राठौर ने बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।



ब्रीफ न्यूज

इन फौंडरों पर आज विद्युत प्रवाह बंद रहेगा

शिवपुरी। आवश्यक रखरखाव का कार्य किए जाने हेतु 11 के.व्ही चीलोद फीडर से संबंधित समस्त क्षेत्रों में 17 अप्रैल को विद्युत प्रवाह बंद रहेगा। उक्त 11 के.व्ही. चीलोद फीडर के बंद रहने से प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक सईसपुरा, घोसीपुरा, संजय कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी एवं आसपास इत्यादि क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। इसी प्रकार 11 के.व्ही. तुधावली तथा 11 के.व्ही. इमामबाड़ा फीडर के बंद रहने से प्रातः 10 बजे से शाम 05 बजे तक यादव मोहल्ला, बड़ा बाजार, महल सयाय, हरिजन बस्ती, शीतौले की कोठी, इमामबाड़ा, जवाहर कालोनी इत्यादि क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

नवविवाहिता से मारपीट जेवर छीनने का आरोप

शिवपुरी। भौंती थाना क्षेत्र के पिपारा गांव की रहने वाली नवविवाहिता ने एसपी ऑफिस में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना के आरोप लगाए है। पीड़िता ने पति सहित ससुरालजन पर दहेज मांगने, मारपीट करने, जेवर छीनने और घर से निकालने का आरोप लगाए है। एसपी ऑफिस आवेदन देने आई कौशल्या ने बताया कि उसकी शादी 12 फरवरी 2024 को ग्राम जराय के नेन्द्रे लोधो से हिंदू रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से 7-8 लाख रुपए खर्च कर दान-दहेज दिया था, फिर भी ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए और 5 लाख नकद और चार पहिया वाहन की मांग करने लगे। जब उनकी मांग पूरी नहीं हो पाई तो ससुराल वालों ने मेरे गहने छीन लिए और लगातार मारपीट व प्रताड़ित करने लगे।

दो नाबालिग को पुलिस ने 10 घंटे में किया बरामद

शिवपुरी। सोमवार की रात पोहरी थाना क्षेत्र से लापता हुई दो नाबालिग बालिकाओं को पुलिस ने महज 10 घंटे में खोजकर सकुशल परिजनों को सौंप दिया। फरियादी द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और मंगलवार सुबह शिवपुरी से दोनों बालिकाओं को बरामद कर लिया। पोहरी थाना प्रभारी रजनी चौहान ने बताया कि सोमवार रात करीब 12 बजे एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ थाने आया और बताया कि वह दोनों शिवपुरी में आयोजित एक रैली में शामिल होने गए थे। वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि उनकी 14 वर्षीय बेटी और पड़ोसी की 11 वर्षीय बच्ची घर पर नहीं थीं। लाइली बहना योजना की राशि अंतरित

शिवपुरी। प्रदेश की लाइली बहनों को 1250 रूपये की अप्रैल माह की किश्त आज दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिला मण्डला के ग्राम टिकरवारा से 1.27 करोड़ लाइली बहनों के खाते में १15५2.38 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। लाइली बहना योजना में शिवपुरी जिले की 2 लाख 89 हजार 766 महिला हितग्राही शामिल हैं। जिन्हें 35.54 करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिले भर में प्रसारण किया गया। यहां एनआईसी कक्ष में भी लाइली बहना हितग्राही मौजूद रहें जिन्होंने मुख्यमंत्री को सुना।

आयोजन

भारत विकास परिषद शाखा शिवपुरी की वर्ष 2025-26 की नवीन कार्यकारिणी गठित



सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद शाखा शिवपुरी की वर्ष 2025-26 के लिए गत दिवस प्रथम जनरल मीटिंग का आयोजन संस्था सचिव पुनीत जैन के कलेक्टर निवास रोड पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष एड.शैलेन्द्र समाधिया ने की जबकि संस्था कोषाध्यक्ष सुकेश मित्तल के द्वारा वर्ष भर की जाने वाली सेवा गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा पूर्ण सहमति से अप्रैल माह में किये जाने वाले विभिन्न कार्यों का महत्वपूर्ण निर्णय

लिया गया एवं सत्र 25-26 की कार्यकारिणी का गठन किया गया। नव गठित कार्यकारिणी के संरक्षक मण्डल राजेन्द्र गुप्ता, श्रीमति सरला वर्मा, स्नेहलता शर्मा, पवन जैन जबकि संस्था के मार्गदर्शक मण्डल में विजय जैन, सुरेन्द्र साहू, साकेत गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, संजीव जैन, संस्था में उपाध्यक्ष गणेश धाकड़, शैलेन्द्र मित्तल, मुकेश जैन, सह सचिव मनीष गोयल, प्रचार सचिव दीपक मित्तल, राजीव शर्मा, महिला सयोजिका रवजीत ओझा, वैवाहिक वर्ष गांठ संयोजक- मनोज अग्रवाल, कीर्ति गोयल को बनाया गया,

इसके अलावा संस्था के पांच प्रकल्प प्रमुख के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई जिसमें प्रकल्प संपर्क के लिए तरुण अग्रवाल, सहयोग में सतीश शर्मा, संस्कार के लिए गोपालदास अग्रवाल, सेवा में राजेश सिंघल व समर्पण में वीरेन्द्र कुमार शर्मा एवं पर्यावरण के लिए अशोक गोयल का मनोनयन किया गया, इसके साथ ही संस्था के कार्यकारिणी सदस्यों में गंगाधर गोयल, हरीशरण गुप्ता, हर्देश गोयल, समीर सक्सेना, प्रीति जैन, निधि वर्मा, शिशिर गोयल, सोनू मंगल, संजीव गुप्ता, रेणु सिंघल, मनीष अरोरा शामिल है।

शिवपुरी जिला बना अवैध, खनन परिवहन का क्षेत्र : मंत्री के कहने पर भी नहीं रख रहा खनन

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

शिवपुरी जिला अवैध खनन कारोबारी का अड्डा बन गया है। यह बेखौफ होकर खनन कारोबारी अपने कार्य को अंजाम देने में लगे हुए हैं और खनिज विभाग सिर्फ खानापूर्ति की कार्रवाई कर रहा है। बता दे कि यहां मानचित्रकार को निरीक्षक बना दिया गया है वह अपनी गिनी चुनी टीम के साथ कार्रवाई करने के लिए जाते हैं और एक दो वाहनों पर ओवरलोडिंग की कार्रवाई कर वरिष्ठ अधिकारियों को बता दिया जाता है कि वह अपना कार्य कर रहे हैं। कई ऐसी वाहन है जो खनिज संपदा की ओवरलोडिंग कर निकलते हैं लेकिन कार्रवाई सिर्फ नाम मात्र की होती है और बाकी की कार्रवाई कहां धरी रह जाती है पता नहीं चलता। खनिज अधिकारी कुछ



ही माह में सेवा निवृत्त होने वाले हैं और उनकी कुर्सी पर अन्य कर्मचारी निगाहें

रखे हुए हैं कि उनको यह प्रभार मिल जाए और वह अपने कार्य को और

आसानी से अंजाम दे सकें। खनिज हुआ की लापरवाही का आलम शहर में ही

देखा जा सकता है यहां कई जगह अवैध फड़ संचालित है इनको संरक्षण किसने दे रखा है या फिर संरक्षण के बदले ले देकर काम चलाया जाता है। शासकीय कर्मचारी ही राज्यव् को चूना लगाने में लगे हुए हैं और वरिष्ठ अधिकारियों को सब कुछ दिखाई देने के बाद भी आंखें बंद कर बैठे हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया की बात का भी कोई असर नहीं

सिंधिया जी लोकसभा चुनाव के दौरान आम नागरिकों से आमसभा में कहा था कि वह अपने क्षेत्र में किसी भी तरह का अवैध कार्य नहीं होने देंगे लेकिन हो इसके उल्टा रहा है जिले में घड़ल्ले से अवैध कार्य हो रहे हैं यहां खनन एक सबसे बड़ा मुद्दा है जिसको कोई भी नहीं रोक पा रहा

कई नियमों का पालन नहीं कर रहे क्रेशर प्लांट संचालक

बता दे कि जिले में एक दर्जन से अधिक क्रेशर चल रहे हैं जिनमें से अधिकतर क्रेशरों पर नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है और खनिज विभाग द्वारा निर्धारित की गई 6 मीटर खुदाई से भी अधिक मीटर की खुदाई की जा रही है। वही कई क्रेशर प्लांट पर दीवार भी नहीं खड़ी हुई है जिस कारण आसपास के लोग धूल मिट्टी से परेशान हो रहे हैं।

है। कारण सब जानते हैं। खनन कारोबारियों ने शिवपुरी जिले को अपना अधोषिit घर बना लिया है क्योंकि अधिकारियों के लचीलेपन और मजबूत नेतृत्व ना होना इसकी वजह है।

बाबा साहब का विजन आज भी संविधान की आत्मा बना हुआ है: कलेक्टर चौधरी

एक साधारण व्यक्ति भी असाधारण योगदान दे सकता है यह बाबा साहब ने कर दिखाया

जाटव समाज युवा समिति डांडा, कमलागंज का अम्बेडकर जयंती का भव्य कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जाटव समाज युवा समिति डांडा, कमलागंज द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए की गई। इस मौके पर कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि बाबा साहब ने ऐसे समय में जन्म लिया जब समाज में छुआछूत और भेदभाव चरम पर था। फिर भी उन्होंने न सिर्फ उच्च शिक्षा प्राप्त की, बल्कि समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने मुंबई से एमए, कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिप्लिट की डिग्री हासिल की। उन्होंने सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। संविधान निर्माण के समय उन्हें ड्राफ्टिंग का कमेटी का चेयरमैन बनाया गया, जहां उन्होंने सभी नागरिकों को समान अधिकार सुनिश्चित किए। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमन सिंह राठौड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी परिस्थिति व्यक्ति को रोक नहीं सकती। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स तक का सफर विपरीत परिस्थितियों में तय किया। हमें उनसे यह सीखना चाहिए कि बहाने नहीं, प्रयास रास्ता बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी महापुरुष या धार्मिक पर्व को लेकर अभद्र टिप्पणियां न करें। सभी महापुरुष हमारे पथप्रदर्शक हैं, और उनका सम्मान करना



हमारी जिम्मेदारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि बाबा साहब ने महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाने के लिए संसद में संघर्ष किया और जब महिला अधिकारों से जुड़ा कानून पास नहीं हुआ, तो उन्होंने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। तथागत फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी आलोक एम. इंदौरिया ने कहा कि आज के युवाओं को बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सिर्फ दलित समाज ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए सोचने और एक मजबूत संविधान का निर्माण करने का कार्य किया। युवाओं को चाहिए कि सीखना चाहिए कि बहाने नहीं, प्रयास रास्ता बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी महापुरुष या धार्मिक पर्व को लेकर अभद्र टिप्पणियां न करें। सभी महापुरुष हमारे पथप्रदर्शक हैं, और उनका सम्मान करना

ने शिक्षा और संविधान के माध्यम से समाज को जागरूक किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि संघर्ष और ज्ञान से बदलाव संभव है।+ पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री भाजपा राजू बाथम ने कहा कि बाबा साहब का योगदान केवल संविधान तक सीमित नहीं है, उन्होंने सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की नींव रखी। उनकी सोच आज भी प्रासंगिक है। पूर्व पार्षद वीरेन्द्र शिवहरे ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के दबे-कुचले वर्ग को आवाज दी और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा। कार्यक्रम का सफल संचालन कन्हैयालाल शाक्य ने किया जबकि मुख्य अतिथियों का परिचय पत्रकार नीरज कुमार छोट्टा द्वारा कराया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार वीरेन्द्र चौधरी, पत्रकार केदार सिंह गोлия एवं पत्रकार नीरज कुमार छोट्टा और समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित

अतिथियों को बाबा साहब का चित्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन का आयोजन जाटव समाज युवा समिति डांडा, कमलागंज शिवपुरी द्वारा किया गया। समिति के रामस्वरूप मोर्य, रामचरण मोर्य, नारायण मोर्य, महेश मोर्य, बनवारी मोर्य, बंटी मोहनिया, अनिल मोर्य, डॉ. कपिल मोर्य, कन्हैयालाल शाक्य, दीपू मोर्य, दिनेश मोर्य, अखिलेश मोर्य, धर्मेन्द्र मोर्य, विष्णु मोर्य, विक्रम मोर्य, रोहित मोर्य, यशवंत मोर्य, संजय मोर्य, मोहित मोर्य की आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया और आभार प्रदर्शन पार्षद अशोक खन्ना द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने मंचासीन अतिथियों, आगंतुकों, आयोजन समिति और सभी नागरिकों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

हम्माल मजदूर संघ का आरोप, बोले मंडी में हो रही अवैध वसूली व टैक्स चोरी



सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

बीते रोज मंडी सचिव विश्वनाथ सिंह ने कर्मचारियों पर कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया था और कई वर्षों से जमा कर्मचारियों को ट्रांसफर कराए जाने की बात कही गई थी अब हम माल मजदूर संघ ने पंडित सैक्रेटरी पर आरोप लगा दिए हैं उन्होंने कहा है कि पोहरी रोड़ खेराण एवं इन्डस्ट्री एरिया एवं

बडौदी पर अधिनियम 1972 की धारा 6,7,8,19 के अंतर्गत मंडी सैक्टर सचिव के द्वारा 20 रु. प्रति बोरी के हिसाब से लाखों रूपये मंडी टैक्स की चोरी की जा रही है। पोहरी रोड़ फ?ट्टो पर, 14 नं. कोठी पर इंडस्ट्री एरिया व बडौदी पर 20 रूपये प्रति बोरी के हिसाब से अवैध तुलाई की जा रही है। मंडी सचिव के द्वारा 75न अनाज मंडी के बाहर व

25न अनाज मंडी के अंदर तुलाई की जा रही है। जिससे गरीब हम्मालों को अपना भरण-पोषण करने में कठिनाई हो रही है। मंडी सचिव द्वारा शासन को लाखों रूपये रोज की चपत लगाई जा रही है। और बाहर तो लाइट चल रही है मामले को लेकर मंडी सचिव ने भी कहा है कि उनके नियंत्रण में कर्मचारी नहीं है यह कर्मचारी बरसों से जमे हुए हैं और एक दूसरे से सटघाट कर मंडी में भ्रष्टाचार कई सालों से करने में लगे हुए मामले को लेकर मंडी सचिव ने कहा कि वह वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर दे रहे हैं कि मंडे संचालन की व्यवस्था कर्मचारियों द्वारा बिगड़ी जा रही है।

शा. आई.टी.आई. पिछोर में आज लगेगा रोजगार मेला

शिवपुरी। जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आई.टी.आई संस्थान के तत्वाधान में 17 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्थान शासकीय आई.टी.आई. पिछोर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बेरोजगार युवक-युवतियों की भर्ती के लिए विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। आवेदक अपने साथ रोजगार पंजीवन, समग्र आईडी, अंकसूची, की छायाप्रति, पासपोर्ट साईज फोटो आदि लेकर मेले में उपस्थित हो। इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा। एचडीबी फाइनेशियल सर्विसेस के अंतर्गत एसओ, एसएसओ, एसएम के पदों के लिए 12वीं एवं ग्रेजुएशन

उत्तीर्ण, 22 से 30 उम्र के उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। एल.आई.सी. शिवपुरी के अंतर्गत बीमा अधिकर्ता के पदों के लिए 12वीं एवं ग्रेजुएशन उत्तीर्ण, 18 उम्र के उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। इंगल सिक्वोरिटी सर्विसेस एण्ड गुरुकृपा कंसल्टेंट शिवपुरी अंतर्गत सिक्वोरिटीगाई., सुपरवाइजर, रिसोर्सेशनिस्ट, कम्प्यूटर ऑपरेर, टेली, हेल्पर, वर्कर आदि के पदों के लिए 8जी पास से स्नातक, कम्प्यूटर डिप्लोमा, टेली आदि उत्तीर्ण, 18 से 45 उम्र के उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। इसी प्रकार आईसर एकेडमी शिवपुरी के पदों के लिए 10वीं उत्तीर्ण, 18 से 26 उम्र के उम्मीदवार आवेदन कर सकता है।

जरूरी सूचना

शिवपुरी जिले में पिछोर, खनियाधाना, कोलारस, बदरवास, पोहरी, बैराड़, करेरा, नरवर, रन्नौद, लुकवासा में

सत्ता सुधार की एजेंसी एवं रिपोर्टरों की नियुक्ति करना है।

संपर्क करें : दीपक अरोरा
मोबाइल नंबर: +918959194646

दैनिक
सत्ता सुधार
विज्ञापन, एजेंसी, समाचार के लिए संपर्क करें

दीपक अरोरा, ब्यूरोचीफ शिवपुरी
मो. 8959194646
कपिल उपाध्याय, जिला संवाददाता
मो. 9893099934

बीफ न्यूज

रुस लगातार यूक्रेन पर कर रहा हमले, 70 फीसदी क्षेत्रों पर किया कब्जा

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच करीब तीन साल से युद्ध जारी है और अब यह भयानक रुप ले चुका है। रूसी सेना यूक्रेन की जमीन पर कब्जा कर रही है। कुर्स्क ओब्लास्ट, टोरेत्स्क, कुराखोव और पश्चिमी जापोरिज्जिया ओब्लास्ट में रूस का कब्जा हो गया है, लेकिन यूक्रेन के लिए सबसे बड़ा झटका है सूमी शहर पर रूस का हमला। जहां दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने 34 मामुसों की जान ले ली और 134 लोग घायल हो गए। रविवार को रूस ने सूमी शहर पर मिसाइलों की बौछर कर दी। रूसी मिसाइलों ने शहर के बीचों-बीच तबाही मचाई, जहां यूक्रेनी सेना का एक कार्यक्रम चल रहा था। सड़कों पर लाशें बिछ गईं और इमारतों में आग लग गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन बेगुनाहों का खून बहा रहा है दुनिया अब चुप न रहे, रूस को रोकना होगा, लेकिन रूस ने कहा कि हमने सिर्फ सैन्य ठिकाने निशाना बनाया। यूक्रेन आम लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में अब तक 123 आम लोगों की मौत, सैकड़ों घायल सना। यमन में अमेरिकी सेना के हवाई हमलों से काफी नुकसान हुआ है। ह्ती नियंत्रण वाले स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मार्च के मध्य से अब तक हुए हमलों में कम से कम 123 आम लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 247 लोग घायल हैं। घायलों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे हैं। बता दें रविवार देर रात राजधानी सना के पश्चिमी हिस्से में एक सिरैमिक फैक्ट्री पर अमेरिकी हवाई हमला हुआ, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और 29 घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इससे पहले 9 अप्रैल को जानकारी दी थी कि अमेरिकी हमलों में अब तक 107 लोगों की मौत हुई है और 223 लोग घायल हुए हैं, लेकिन अब यह आंकड़ा और बढ़ गया है। अमेरिकी सेना का दावा है कि उसके हमले ह्ती लड़ाकों और उनके ठिकानों को निशाना बना रहे हैं, जिनमें कई शीर्ष नेता मारे गए हैं, मगर ह्ती समूह ने इन दावों को खारिज किया है। ह्ती समूह ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिका का एक और एमक्वू-9 ड्रोन मार गिराया है। ह्ती सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि ड्रोन को हज्जाह प्रांत के आकाश में एक स्थानीय रूप से निर्मित मिसाइल से गिराया।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसे पेरू के पूर्व राष्ट्रपति

लीमा। पेरू के पूर्व राष्ट्रपति ओलांता हुमाला पर मुकदमा 2006 से 2011 के दौरान चुनावी अभियानों में कथित अवैध फंडिंग से जुड़ा है। अभियोजकों का दावा है कि हुमाला की नेशनलिस्ट पार्टी ने वेनेजुएला सरकार और ब्राजील की कस्ट्रक्शन कंपनी ओडेब्रेक्ट से उनके अभियानों के लिए अवैध धन प्राप्त किया था। हुमाला और उनकी पत्नी ने पहले इन आरोपों से इनकार किया था। हुमाला को मनी लॉन्ड्रिंग केस मामले में 15 साल की सजा हुई है। वहीं, कोर्ट की सुनवाई के दौरान उनकी पत्नी नादिन हेरेंडिया उपस्थित थीं। मीडिया के हवाले से उनको पेरू की राजधानी लीमा ब्राजील दूतावास के पास देखी गई।

दुर्लभ

एजेंसी ■ लंदन
क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे फल भी हैं, जिनकी कीमत सुनकर आप चौंक सकते हैं? ये फल इतने महंगे हैं कि आम आदमी के लिए इन्हें खरीदना किसी सपने जैसा लगता है। सबसे पहले बात करते हैं ताइयो नो केमगो आम की, जिसे ‘एस ऑफ सन’ भी कहा जाता है। जापान में पैदा होने वाला यह आम आधा पीला और आधा लाल होता है और इसकी कीमत 1 से 2 लाख रुपये तक हो सकती है। इसके बाद आता है सेम्बिकिया क्रीन स्ट्रॉबेरी, जिन्हें न्योहो स्ट्रॉबेरी के नाम से भी जाना

एजेंसी ■ वॉशिंगटन
चीन से साथ चल रहे टैरिफ वॉर के बीच अमेरिका ने साफ कर दिया है कि चीन को ही अमेरिका साथ डील करनी होगी। साथ ही दो टूक कहा है कि अमेरिका टैरिफ के मामले में झुकने वाला नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने चीन पर 145 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके जवाब में चीन ने भी 125 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था।

व्हाइट हाउस ने कहा कि चीन दुनिया के किसी अन्य देश से अलग नहीं है। उन्होंने कहा, चीन को वो चाहिए जो हमारे पास है। सभी को वो चाहिए, जो हमारे पास है। यानी



पड़ोसियों से संबंध सुधारने बेहतर मौका, ट्रंप के टैरिफ से बंद हो रही चीन की दुकानें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ ने चीनी व्यापारियों की कमर तोड़ दी है और अब दुकानें बंद करने की नीबट आ गई है। इस बीच अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चीन को अब अपने पड़ोसी देशों, खासकर दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापार बढ़ाकर इस नुकसान की भरपाई करनी होगी। ट्रंप ने चीन से खिलाफ अब तक कुल 145 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत का टैरिफ थोप दिया है। टैरिफ वार ने चीन के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को हिलाकर रख दिया है। दुनिया का एक सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार शेन्जेन का हुआकियांगबेई इस जंग का ताजा शिकार बना है।

अमेरिकी उपभोक्ता या आसान भाषा में कहें, तो उनको हमारे धन की जरूरत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह चीन के साथ डील करने के लिए तैयार है, लेकिन चीन को अमेरिका के साथ डील करनी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि चीन को फैसला लेना है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव

कैरोलीन लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने चीन को लेकर अपना मत साफ कर दिया है। हालांकि, मेरे पास उनका एक बयान है, जो उन्होंने ओवल ऑफिस में मुझे दिया है। उन्होंने कहा, फैसला चीन को करना है। चीन को हमारे साथ डील करनी ही होगी। हमें उनके साथ डील करने की कोई जरूरत नहीं है।

यूनूस सरकार ने भारत से धागा लेना किया बंद बांग्लादेश के लिए घातक होगा ये कदम

यह निर्णय भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंधों में हाल के तनावों की कड़ी में नवीनतम कदम है

एजेंसी ■ ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। बांग्लादेश ने अब भारत से धागा लेना बंद कर दिया है। इससे माना जाने लगा है कि बांग्लादेश आत्मघाती कदम उठा रहा है। बांग्लादेशी नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एनबीआर) ने भारत से धागे (सूत) के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस निर्णय के तहत बेनापोल, भोमरा, सोनामस्जिद, बंगलाबंघा और बुरिमाड़ी जैसे प्रमुख भूमि बंदरगाहों के जरिए सूत आयात की अनुमति अब नहीं होगी। यह कदम बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (बीटीएमए) की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिसमें दावा किया गया कि भारत से सस्ते सूत के आयात से स्थानीय टेक्सटाइल उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है।

बांग्लादेश की गारमेंट इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था का रीढ़ है। यह भारत से लगभग 95 प्रतिशत



सूत आयात पर निर्भर है। 2024 में बांग्लादेश ने 1.25 मिलियन मीट्रिक टन सूत आयात किया, जो 2023 की तुलना में 31.5 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बांग्लादेश के गारमेंट निर्यातकों ने इस निर्णय को आत्मघाती करार दिया है। बांग्लादेश निटवेयर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीकेएमईए) के अध्यक्ष मोहम्मद हातेम ने कहा कि यह कदम तैयार परिधान निर्यातकों के लिए लागत बढ़ाएगा और छोटे-मध्यम उद्यमों

(एसएमबी) के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा को और कठिन कर देगा। 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें सूत, कपास, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल थे। वहीं, बांग्लादेश से भारत का आयात 1.8 बिलियन डॉलर रहा। हाल के महीनों में बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और डॉलर की कमी के कारण भारतीय निर्यातकों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ा है।

सबसे सस्ता सूत देता है भारत

बीटीएमए का कहना है कि भारत से जमीन मार्ग के जरिए आयातित सूत की कीमत समुद्री मार्ग से आने वाले सूत की तुलना में काफी कम है, जिससे स्थानीय मिलों को प्रतिस्पर्धा में नुकसान उठाना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश में 30 सिंगल सूत की कीमत 3.40 डॉलर प्रति किलोग्राम है, जबकि भारत में यह 2.90 डॉलर और वियतनाम में 2.96 डॉलर प्रति किलोग्राम है। यह निर्णय भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंधों में हाल के तनावों की कड़ी में नवीनतम कदम है। हाल ही में, भारत ने बांग्लादेश को तीसरे देशों में घात निर्यात के लिए अपने भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से ट्रांशिजिपमेंट सुविधा को रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस सुविधा के कारण भारतीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ बढ़ रही थी, जिससे भारत के अपने निर्यात में देरी और लागत में वृद्धि हो रही थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद युनुस के हालिया बयान ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव को बढ़ा दिया।

बांग्लादेश भेजा दूत: भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से प्यार जता रहे मोहम्मद युनुस

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद युनुस का अंतरिम सरकार का सलाहकार बनते ही भारत से उन्होंने संबंध खराब कर लिए। इसी दौरान बांग्लादेश का भारत से हटकर पाकिस्तान और चीन दोस्ती का हाथ बढ़ाना शुरू कर दिया। स्थिति ऐसी है कि पाकिस्तानी नेताओं का बांग्लादेश में तांता लग गया है। अब 15 साल में पहली बार पाकिस्तानी विदेश सचिव अम्ना बलोच बुधवार को ढाका पहुंच रही हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि दोनों देश के बीच आखिर किस मुद्दे पर बात होगा। विदेश सचिव अम्ना बलोच आज ढाका पहुंच रही हैं। गुरुवार को स्टेट गैरंट हाउस पद्मा में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता होगी। इसमें बांग्लादेश की ओर से विदेश सचिव मोहम्मद जसीम उद्दीन मेजबान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। लगभग 15 वर्षों में दोनों देशों के बीच पहली विदेश सचिव स्तर की बातचीत हो रही है।

रूस की खुली धमकी से डरा यूरोप, यूक्रेन पहुंचे नाटो प्रमुख

एजेंसी ■ मॉस्को

रूस और यूक्रेन का युद्ध पिछले तीन सालों से चल रहा है। अब युद्ध का असर दूसरे देशों पर भी पड़ने लगा है। रूस के खुफिया प्रमुख सर्गेई नारिश्किन ने नाटो को खुली धमकी दी है कि अगर पोलैंड और बाल्टिक देश अपनी ‘आक्रामक’ हरकतें नहीं रोकते, तो रूस जवाबी कार्रवाई करेगा। यह बयान तब आया है, जब यूक्रेन में रूस की बमबारी तेज हो गई है और दुनिया भर में इसे लेकर गुस्सा भड़क रहा है। रूस की एक धमकी के बाद सवाल उठ रहे हैं कि पुतिन क्या पोलैंड और बाल्टिक देशों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं? नाटो के महासचिव मार्क रटे ने जेलेंस्की के साथ ओडेसा का दौरा किया और यूक्रेन को ‘अटूट समर्थन’ का वादा किया।

रटे ने कहा, ‘रूस इस युद्ध का आक्रामक है। इसमें कोई शक नहीं।’ जेलेंस्की ने नाटो से एयर



डिफेंस सिस्टम की मांग की, ताकि रूसी हमलों से बचा जा सके। रटे ने यह भी साफ किया कि नाटो ट्रंप के सीजफायर प्रस्ताव का समर्थन करता है, लेकिन यूक्रेन के साथ उसका साथ नहीं छूटेगा। स्वीडन ने रूस के राजदूत को तलब कर रूसी हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। यूक्रेन ने दावा किया कि रूस के लिए सैकड़ों चीनी नागरिक लड़ रहे हैं। दो चीनी युद्धबंदियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य चीनी नागरिकों को युद्ध में न आने की चेतावनी दी। चीन ने इसे

‘राजनीतिक चालबाजी और समसनी’ बताते हुए खारिज किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आरोप लगाया था कि सैकड़ों चीनी नागरिक फटलाइन पर लड़ रहे हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि ‘चीन इस मामले से जुड़ी जानकारी और हालात को सांच कर रहा है। रूस की एक सैन्य अदालत ने पांच युवाओं को 18 साल तक की सजा सुनाई, जिन्होंने पिछले साल मांको के पास रेलवे और एक हेलीकॉप्टर में आग लगाई थी।

हमास दे रहा धमकी कहा- ऐसा ही रहा तो इजराइल के सभी बंधक ताबूतों में ही लौटेंगे

गाजा। इजराइल ने हाल ही में मिस और कतर के मध्यस्थों को 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बदले में 11 इजराइली बंधकों की रिहाई और हमास के हथियार डालने की मांग रखी गई है। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी तरह के निरस्त्रीकरण को स्वीकार नहीं करेगा। इसी बीच कसाम ब्रिगेड्स ने एक और वीडियो जारी कर बंधकों के परिवारों को चेताया कि यदि इजराइली हमले जारी रहे, तो उनके बच्चे ताबूतों में लौटेंगे, शरीर टुकड़ों में बिखरे होंगे। उधर, वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव वित्कोफ ने कहा है कि एडन एलेक्जेंडर की रिहाई ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी विषय पर पिछले महीने हमास और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता भी हुई थी। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय हालात को अब तक के सबसे खराब स्तर पर बताया है। इजराइल की ओर से लगातार बमबारी और जनवरी 2024 के बाद से फिर से लगाए गए पूर्ण प्रतिबंधों ने भोजन, ईंधन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति को लगभग असंभव बना दिया है।



कतर में रेत के तूफान के बीच ही निकलते हुए लोग।

कुछ ऐसे फल भी हैं, जिनकी कीमत सुनकर आप चौंक सकते हैं

दुनिया में कई फल ऐसे जिनकी कीमत होती है लाखों में



जाता है, टोक्यो की एक प्रसिद्ध फल की दुकान, सेम्बिकिया के नाम पर रखी गई हैं, जो जापान की सबसे पुरानी फल की दुकान है। सेम्बिकिया क्रीन स्ट्रॉबेरी, जिसकी

के नाम से भी जाना जाता है, जापान के होक्काइडो द्वीप के युबारी शहर में उगाया जाने वाला एक विशेष प्रकार का खरबूजा है, जो अपनी उच्च गुणवत्ता और मिठास के लिए प्रसिद्ध है। जिसकी कीमत 10 से 12 लाख रुपये तक हो सकती है। यह दुनिया के सबसे महंगे फलों में से एक माना जाता है। इसी तरह जापान मेंस्क्रायपर तरबूज यानी चौकोर तरबूज भी तैयार किया जाता है, जिसकी कीमत 50 से 60 हजार रुपये तक होती है। इसे सजावट के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। अगर अंगूर की बात करें तो रूबी रोमन अंगूर का नाम सबसे

ऊपर आता है। जापान में उगाए जाने वाले इन लाल अंगूरों की एक प्रीमियम क्वालिटी वाली बंघ की कीमत 6 से 7 लाख रुपये तक हो सकती है। रूबी रोमन एक प्रकार का टेबल अंगूर है जो पूरी तरह से जापान के इशिकावा प्रान्त में उगाया और बेचा जाता है। यह लाल रंग का होता है और लगभग पिंप-पोंग बॉल के आकार का होता है। पहला रूबी रोमन अंगूर अगस्त 2008 में 100,000 जापानी येन प्रति 700 ग्राम गुच्छ, या 26 डॉलर प्रति अंगूर की दर से बिक्री के लिए गया था। वहीं, सेकाई इची सेब दुनिया का

सबसे महंगा और बड़ा सेब है, जिसकी लंबाई लगभग 15 इंच और वजन 1 किलोग्राम तक होता है। इसकी कीमत 1.5 से 2 हजार रुपये तक है। अंत में बात करते हैं बुद्धा शेड नाशपाती की, जो बुद्धा की आकृति में तैयार की जाती हैं। चीन में उगाई जाने वाली इस अनोखी नाशपाती की कीमत 600 से 700 रुपये तक होती है। इन फलों की कीमतें जरूर चौंकाती हैं, लेकिन इनका स्वाद, आकार और दुर्लभता इन्हें खास बना देती है। मालूम हो कि फल न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माने जाते हैं।

अफगानिस्तान में आए भूकंप से हिल गई दिल्ली और एनसीआर

एजेंसी ■ काबुल

आज बुधवार को सुबह सुबह अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) सहित उत्तरी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएड) ने बताया कि भूकंप सुबह लगभग 4:44 बजे (भारतीय समयानुसार) आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस भूकंप से अफगानिस्तान या भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर

प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में लोगों ने हल्के से मध्यम झटकों का अनुभव किया। यूरोपियन-मेटिडरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के अनुसार, भूकंप की गहराई 121 किलोमीटर थी और इसका केंद्र बघलान शहर से 164 किलोमीटर पूर्व में था। भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली और उत्तरी भारत हिमालयी क्षेत्र के करीब होने के कारण भूकंपीय रूप से संवेदनशील हैं। भारत के भूकंपीय जोन मानचित्र के अनुसार, दिल्ली जोन-4 में आता है, जो मध्यम से उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरुआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ल पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व विधायक एवं महामंत्री मंहेश वसावा ने कांग्रेस

का पल्ल गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू.), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगों और नीति-निर्माण में अहमियत देने की मांग अब केवल दबे स्वर ने नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दर्शाती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने जिस तरह से सेंध लगाई है उससे बिहार में जनता दल का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया सहयोगी दलों में देखने को मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर



सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब 'वन नेशन, वन पॉलिसी' जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है। इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है।

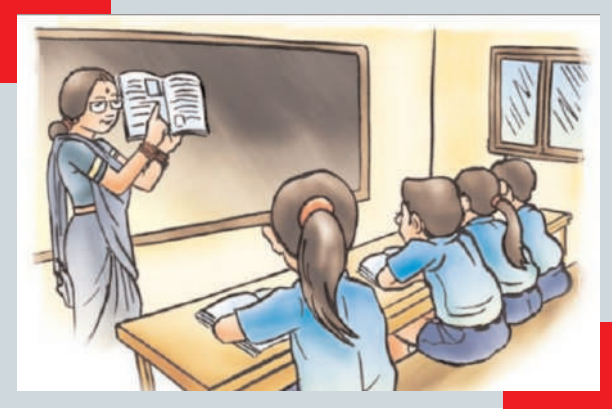
शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व खंजाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं!

अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म जबूत ढाल का काम कर सकते हैं! वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,, शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां हैं वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे। साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपक्व और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे हैं। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे। साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के जन्दिगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अंधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के जरिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने जन्दिगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मजबूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थियों का मार्ग दर्शक है। जन्दिगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मजबूत आकार प्रदान करता है।शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर

मुमकिन कोशिश करता है।

शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर कोई वकील,सीए,पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक



इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता है।परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिजाइन, संरचनीय डिजाइन, और

वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकार प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तथा मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केंद्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है। सड़क परिवहन सुदूरवर्ती पहाड़ी, मरुस्थलीय, जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़कें भी विभिन्न प्रकार के लोगों को अपनी मंजिल तक पहुंच आती है जैसे, राष्ट्रीय राजमार्ग-ये राजमार्ग देश की चौड़ाई एवं लंबाई के अनुसार विखड़े गये हैं। ये राज्यों की राजधानियों, बंदरगाहों, औद्योगिक व खनन क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय महत्व के शहरों एवं कस्बों को जोड़ते हैं।प्रातीय राजमार्ग- ये एक राज्य के भीतर व्यापारिक एवं सवारी यातायात के मुख्य आधार होते हैं। ये राज्य के प्रत्येक कस्बे को राज्य की राजधानी, सभी जिला मुख्यालयों, राज्य के महत्वपूर्ण स्थलों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संलग्न क्षेत्रों के साथ जोड़ते हैं। जिला सड़कें-ये सड़कें बड़े गांवों एवं कस्बों को एक-दूसरे से तथा जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। ये अधिकांशतया कच्ची होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव जिला परिषदों या सम्बंधित सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। ग्रामीण सड़कें-ये सड़कें गांवों को जिला सड़कों से जोड़ती हैं। ये सड़कें प्रायः कच्ची, संकरी तथा भारी वाहन यातायात के अनुपयुक्त होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है। इन चारों के अतिरिक्त, सड़कों के तीन और अन्य प्रकार हैं- सीमा सड़कें, अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुत राजमार्ग। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षक और सड़क मंजिल तक पहुंचाने के सेतु हैं, शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे जो खुद जहां हैं वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं।



सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं मानेगी सरकार

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर जो फैसला दिया है ।उससे सरकार आग बबूला हो गई है । सरकार ने समीक्षा याचिका दायर करने का निर्णय लिया है । जल्द ही केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी । तीन या पांच जजों की खंडपीठ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलेगी? केंद्र सरकार इस बात से आश्चर्यचकित है । कोई जज राज्यपालों और राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का फैसला कैसे दे सकता है । केंद्र सरकार ने इसे प्रतिष्ठ का प्रश्न बना लिया है । सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गोलबंदी की तैयारी कर ली है । केंद्र सरकार इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती है ।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर मुखर हुए पीयूष गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों अमेरिका की नीतियों को लेकर कुछ ज्यादा ही मुखर हो गए हैं । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अधोषिप्त रूप से भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को खुली छूट दी है । गोयल ने यूरोपीय यूनियन में आत्म सम्मान का मुद्दा उठया । अमेरिका से दूषधी समझौते को लेकर उन्होंने आत्म सम्मान की बात कही । भारत की खाद्य सुरक्षा, औषधि उद्योग,ई कॉमर्सऔर सेवा के क्षेत्र में भारतीय हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती है । भारत सरकार को चलो कुछ-कुछ तो समझ में आने लगा है । सीधे ना सही आड़े-तिरछे तरीके से भारत ने बोलना सीख लिया है ।

एडीएम के पलनीसामी भाजपा गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा

तमिलनाडु में एडीएम ने भाजपा के साथ एक बार फिर गठबंधन कर लिया है । पहले भी भाजपा के साथ गठबंधन था । लेकिन गठबंधन, तलाक में बदल गया था । अब विधानसभा चुनाव आने वाले हैं । भाजपा ने एडीएम के साथ गठबंधन करके ईके पलनीसामी को भाजपा गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा के रूप में स्वीकार कर लिया है । भाजपा अब पलानी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी । इस बार भाजपा तमिलनाडु में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने जा रही है । केंद्र सरकार जल्द ही डीएमके नेताओं के ऊपर शिकंजा कसेगी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में श्रीलंका का दौरा करके लौटे हैं । श्रीलंका से लेकर तमिलनाडु तक भाजपा ने नई बिसात बिछाई है । इसका मुकाबला डीएमके कैसे करेगी । यह काफी महत्वपूर्ण होगा । भाजपा में मोदी शाह की जोड़ी जिस तरह की बिसात बिछती है । उसका मुकाबला करना आसान नहीं होता है । पहली बार तमिलनाडु के चुनाव में तरह-तरह के नजारे देखने को मिलेंगे ।

कोविड के बाद बच्चों-युवाओं की साइलेंट अटैक से मौत

बिना किसी बीमारी के युवाओं बच्चों और आम आदमियों की मौत साइलेंट अटैक से हो रही है । कोविड महामारी के बाद लोगों को वैक्सीन के टीके लगाए गए थे । उसके दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं । खेलेते खेलेते, वरमाला डालते, डांस करते, साइकिल चलाते, खाना खाते और सोते हुए लोग गिरते हैं । घटना स्थल पर ही तुरंत मर जाते हैं ।



गर्भधारण से पहले रखें ये सावधानी

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनों ही स्वस्थ रहते हैं । इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है ।



हरियाणा में जमीन घोटाले में फंसे रॉबर्ट वाइज़ ने ईडी की पूछता से पहले सोशल मीडिया पर लिखा कि जीत सत्य की होगी । उन्होंने फेसबुक पर लिखा किमेरे जन्मदिन के सप्ताह की सेवा कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है । मैंने बुजुर्गों को भोजन कराने और विभिन्न क्षेत्रों के सभी बच्चों को उपहार देने की जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें मैं तब तक जारी रखूंगा जब तक कि सरकार मुझे अच्छे काम करने और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण व्यवहार के बारे में बोलने से नहीं रोकती ।



राहुल गांधी ने कहा कि संघ और भाजपा को देश में पराजित करने का रास्ता गुजरात से निकलेगा । देश में दो विचार धारा हैं । एक भाजपा-संघ और एक ही कांग्रेस । देश जानता है कि भाजपा-संघ को केवल कांग्रेस ही हरा सकती है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शुरुआत गुजरात से हुई थी और यहीं से भाजपा-संघ को हराने का रास्ता भी मिलेगा ।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक



दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड़ के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखोफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां संकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापान एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनकी चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने

के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फॉडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई हैं जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्प्रच के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तुण्मूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोलालपन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर धोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा।

प्रेरणा

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बचपन की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे। एक माता-पिता अपने पांच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए।



ब्रीफ न्यूज

कटिंग की दुकान के पास खड़ी बाइक चोरी

गुना। जिले के बमोरी थानांतर्गत ग्राम परांठ में एक युवक की मोटरसाइकिल उस वक्त चोरी हो गई जब वह पास में स्थित अपनी कटिंग की दुकान में काम कर रहा था। फरियादी ने मामले की रिपोर्ट थाना बमोरी में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजाराम पुत्र पूरनसिंह सेन निवासी ग्राम खर्गखेड़ा, रोजाना की तरह गत सुबह करीब 8-३0 बजे अपनी ब्लैक-नीली सीडी डीलक्स बाइक क्रमांक एमपी 08-5023 से ग्राम परांठ स्थित अपनी कटिंग की दुकान पर पहुंचा था। उसने अपनी मोटरसाइकिल दुकान के पास ही खड़ी की और फिर काम में लग गया। दोपहर करीब 2 बजे जब राजाराम ने अपनी बाइक देखी तो वह मौके से गायब थी। आसपास तलाशने और लोगों से पूछताछ करने पर भी कोई सुरांग नहीं मिला। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

श्रेशर हद्दसे में वृद्ध की मौत के मामले में ट्रैक्टर चालक पर मामला दर्ज

गुना। जिले के थाना विजयपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध की जान चली गई। मृतक की महचान विष्णुप्रसाद साहू निवासी विजयपुर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाे को दोपहर करीब 2-३0 बजे श्यामबाबू धाकड़ अपने महिंद्रा ट्रैक्टर एमपी 08-6400 से श्रेशर मशीन लगाकर गेहूं की फसल निकाल रहा था। इसी दौरान मृतक विष्णुप्रसाद व उनकी पत्नी ने उससे 20-25 गेहूँ के गट्टे श्रेशर से निकलवाने को कहा। जब श्रेशर में गेहूँ डाले गए, तब श्यामबाबू ने ट्रैक्टर की स्पीड बढ़ा दी, जिससे श्रेशर का व्हील टूट गया और जाकर सीधे विष्णुप्रसाद के सिर और हाथ पर आ लगा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं पास खड़े रघुवीर अहिवाल के सिर में भी चोट लगी। गंभीर अवस्था में विष्णुप्रसाद को बालाजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रघुवीर को जिला अस्पताल गुना से ग्वालियर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जांच में सामने आया कि ट्रैक्टर चालक श्यामबाबू धाकड़ द्वारा मशीन की उचित देखरेख नहीं की गई और उसने लापरवाहीपूर्वक स्पीड बढ़ाकर हादसे को जन्म दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व चरमदीय गवाहों के बयानों के आधार पर उसके खिलाफ धारा 106(1) व 289 बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

गुना। शहर की केंट थाना पुलिस ने पटेलनगर रेलवे पुलिया के पास दबिश देकर अवैध कच्ची शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने आरोपी आमीर खान निवासी घोसीपुरा को 30-30 लीटर की दो कैनों में रखी कुल 60 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा। शराब रखने और बेचने का कोई लाइसेंस न होने पर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम 1915 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

श्रमदान

परामर्शदाताओं के साथ मिलकर दो घंटे तक तालाब की सफाई में श्रमदान किया

जल ही जीवन का आधार: सिंगवासा तालाब में हुआ श्रमदान कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ गुना
जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविवार को कलेक्टर गुना के निर्देशन में सिंगवासा तालाब पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शुशील बरआ ने प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने स्थानीय छात्र-छात्राओं, नवोत्तम संस्थाओं और परामर्शदाताओं के साथ मिलकर दो घंटे तक तालाब की सफाई में श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान सिंगवासा तालाब में विसर्जित की गई पूजन सामग्री, पॉलिथीन और अन्य कचरे को

एकत्रित कर लगभग 60 कट्टों में भरा गया। यह सारा कचरा नगर पालिका गुना के कलेक्टर गुना के सहायता से उचित स्थान तक पहुंचाया गया। तालाब की सफाई के इस प्रयास में जनभागीदारी का शानदार उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर संभाग समन्वयक शुशील बरआ ने कहा कि जल हमारे जीवन का मूल आधार है, इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि जल को हम बना नहीं सकते, केवल संरक्षित कर सकते हैं। अगर आज हमने जल के स्रोतों की रक्षा नहीं की तो भविष्य

की पीढ़ियों के लिए यह संकट बन जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जल के भीतर रहने वाले जीव-जंतुओं की

रक्षा करना हमारा नैतिक और सामाजिक दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में शुशील बरआ ने सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण की

शपथ दिलाई और जल की महत्ता को समझने तथा उसे बचाने की अपील की। इस श्रमदान कार्यक्रम में जिला समन्वयक मंजूषा

सालोमन, विकासखंड समन्वयक अमित गोयल, संस्था से दीपक अग्रवाल, हेमराज बैरागी, देशराज यादव, राजकुमार ओझा, परामर्शदाता नगेंद्र चतुर्वेदी, दीपक शर्मा, बृजकिशोर धाकड़, रामकिशोर देवलिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से जल संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा दी जा सकती है। यह अभियान न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की ओर एक कदम है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।

सालोमन, विकासखंड समन्वयक अमित गोयल, संस्था से दीपक अग्रवाल, हेमराज बैरागी, देशराज यादव, राजकुमार ओझा, परामर्शदाता नगेंद्र चतुर्वेदी, दीपक शर्मा, बृजकिशोर धाकड़, रामकिशोर देवलिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से जल संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा दी जा सकती है। यह अभियान न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की ओर एक कदम है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।

जानकारी दी गई, जो आम नागरिकों को आपदा की स्थिति में उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा हड़फ़ूर (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) की वेबसाइट के बारे में भी बताया गया, जहां विभिन्न प्रकार की आपदाओं से संबंधित बचाव उपाय, सावधानियाँ, शॉर्ट्स वीडियो और लेखन सामग्री उपलब्ध हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन केवल एक औपचारिकता न रहे, बल्कि यह विषय स्कूल, कॉलेज और आम जनता तक गंभीरता से पहुंचाया जाना चाहिए।अमली बार जब आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित हो, तो अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए।

नीति 2025 के संशोधनों को बताया कर्मचारी विरोधी, 22 अप्रैल से हड़ताल की चेतावनी

सविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ तेज किया आंदोलन, ज़ापन सौंपा, निकाली रैली

सत्ता सुधार ■ गुना
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत कार्यरत सविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने बुधवार को अपने चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण के तहत रैली निकालकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज़ापन सौंपा। ज़ापन में 1 अप्रैल 2025 से लागू सविदा नीति 2025 में किए गए बदलावों को कर्मचारी विरोधी बताया गया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा घोषित सविदा नीति 2023 को पूर्णतः लागू करने की मांग की गई। इससे पहले संगठन ने 1 अप्रैल को सभी जिलों में प्रेस वार्ता कर अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाई थीं। 7 अप्रैल को प्रदेश भर के समस्त सविदा कर्मचारियों ने कार्यस्थलों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया था। बुधवार को तीसरे चरण में ज़ापन सौंपते हुए चेतावनी दी गई कि यदि मांगे नहीं



मानी गई तो 22 अप्रैल से प्रदेश के 32,000 सविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। ज़ापन में सविदा नीति 2025 के विरोध में कर्मचारियों ने कई मांगें रखीं। इनमें प्रमुख रूप से विभाग में रिक्त पदों में से 50 प्रतिशत पदों पर सविदा कर्मचारियों का सर्विलियन कर उन्हें नियमित करने की मांग शामिल थी। साथ ही पूर्व में दी जा रही छुट्टियों की व्यवस्था को बहाल करने, वर्तमान में ईएल और मेडिकल अवकाश को पृथक किए जाने के निर्णय को वापस लेने और अनुबंध प्रथा को पूरी तरह समाप्त करने की बात कही गई। कर्मचारियों ने अप्रेजल प्रणाली को समाप्त करने, सेवा निवृत्ति की आयु को पुनः 65 वर्ष करने, एनपीएस, ग्रेज्युटी, स्वास्थ्य बीमा और महंगाई भत्ते (डीए) की सुविधा देने, वेतन समकक्षता निर्धारण

में की गई त्रुटियों को सुधारने और वेतन विसंगतियों को दूर करने की भी मांग की। इसके अलावा निष्कासित सपोर्ट स्टाफ एवं मलेरिया एमपीडब्ल्यू की एनएचएम में पुनः बहाली और गुना जिले के राघोगढ़ में पदस्थ बीपीएम गजेंद्र भावव को बिना ठेस कारण हटाए जाने के मामले में उनकी तत्काल बहाली की मांग भी की गई। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार जल्द इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित निर्णय नहीं लेती, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। जिलाध्यक्ष मुकेश मौर्य ने कहा कि यह आंदोलन कर्मचारियों के हक और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किया जा रहा है। सरकार यदि सविदा नीति 2023 के अनुसार लाभ नहीं देती है, तो सविदा कर्मचारी पीछे हटने वाले नहीं हैं।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 2025 के लिये बैठक आयोजित

कलेक्टर की पहल पर अधिकारियों एवं खेल संघों द्वारा दिया उत्साहपूर्वक सहयोग

सत्ता सुधार ■ गुना
जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें उन्नत मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर वर्ष 2025 का आयोजन संचालनालय खेल और युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों पर प्रस्तावित है। इसी क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती शर्मिला डाबर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा खेल संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में जानकारी दी गई कि इस वर्ष जिला मुख्यालय पर बास्केटबॉल, हॉकी, जूडो और फुटबॉल सहित चार खेलों तथा विकासखंड मुख्यालय पर दो खेलों में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर का संचालन 20 अप्रैल से 19 मई 2025 तक



निर्धारित समयानुसार किया जाएगा। शिविरों के सफल संचालन हेतु कलेक्टर महोदय द्वारा दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान शिविर आयोजन से संबंधित बजट एवं व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा व्यक्तिगत रूप से 25,000 की राशि प्रदान कर उपस्थितजनों से सक्रिय सहभागिता की अपील की

गई। इसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे ने 25,000, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमान सिंह ठाकुर ने 10,000, शर्मिला डाबर, संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने 7,000, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेज सिंह यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजकुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सीएम

सिसौदिया एवं प्रभारी नोडल खेल केन्द्र मनोज शर्मा द्वारा 5-5 हजार रुपये की राशि प्रदान की। इसके अलावा, जिला फुटबॉल संघ के सचिव इरफान खान ने 3,000, जिला जनसम्पर्क अधिकारी शुभम शर्मा ने 2,000, जिला योजना कार्यालय से सचिन शर्मा ने 1100, जिला क्रिकेट संघ के सचिव सौरभ रघुवंशी ने 2100, जिला जूडो संघ के सचिव सुनील

शर्मा ने 1100 की राशि प्रदान की। खेल सामग्री के रूप में बास्केटबॉल संघ के सचिव अतुल लुम्बा द्वारा 10 बास्केटबॉल एवं हॉकी संघ के सह-सचिव शरद शर्मा द्वारा 20 हॉकी प्रदान की गई।

इसके अलावा राजू शिंदे (गुना क्रिकेट अकादमी), सुनील कुशवाह (क्रिकेट प्रशिक्षक), क्रिकेट खिलाड़ी बादल वाल्के, खेल विभाग के दुर्गेश चंद सक्सेना, सुनीता कंवर, अतुल कुमार शर्मा, यश प्रधान, शिवराज सिंह भदौरिया एवं तौफीक खान द्वारा भी 5 हजार से 500 रुपये तक की सहयोग राशि कलेक्टर श्री कन्याल की पहल पर प्रदान किये। इस सामूहिक सहयोग की भावना से प्रेरित होकर जिले में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सुचारु रूप से किया जाएगा, जिससे युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिलेगा। शिविर में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी, कार्यालयीन समय में खेल और युवा कल्याण विभाग, गुना में संपर्क कर सकते हैं।

बमोरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, डोंगरखेड़ी में 1 किलो 250 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

गुना। जिले की थाना बमोरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ग्राम डोंगरखेड़ी में एक व्यक्ति को 1 किलो 250 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी राधेलाल धाकड़ अपने मकान के पीछे वाड़े में गांजा छिपाकर रखे हुए था और उसे बेचने की फिराक में था। पुलिस को गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि डोंगरखेड़ी में एक व्यक्ति गांजा बेचने की तैयारी में है। उक्त सूचना पर पुलिस मौके पर रवाना हुई। ग्रामीणों की उपस्थिति में आरोपी राधेलाल को पकड़ा गया और पूछताछ के बाद उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से गुलाबी रंग की प्लास्टिक की थैली नहीं, जिससे धरा और गलियों में कचरा जमा हो जाता है। इससे न केवल दुर्गंध फैलती है, बल्कि मच्छर और अन्य बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है।

वार्डवासियों का कहना है कि इस स्थिति को लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन नगर पालिका ने कोई ध्यान नहीं दिया। सिर्फ गाड़ियों की तकनीकी हालत

भगवान भरोसे दौड़ रही कचरा गाड़ी

मेटेनेंस के अभाव में बढ़ी वार्डवासियों की परेशानी, ड्राइवर का व्यवहार भी बना चिंता का कारण

सत्ता सुधार ■ गुना

नगर पालिका गुना की लापरवाही एक बार फिर आम जनता की परेशानी का सबब बन गई है। शहर के वार्डों में कचरा उठाने के लिए भेजी जाने वाली कचरा गाड़ियां बिना किसी नियमित देखरेख और मेटेनेंस के चल रही हैं। इसका ताजा उदाहरण वार्ड क्रमांक 9 में देखने को मिला, जहां कचरा गाड़ी अचानक रास्ते में ही खराब हो गई और ड्राइवर को घंटों मशक्कत कर जुगाड़ से उसे ठीक कर रवाना होना पड़ा।

स्थानीय रहवासियों, विशेषकर महिलाओं ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है। कचरा गाड़ी अक्सर देर से आती है और कई बार तो आती ही नहीं, जिससे धरा और गलियों में कचरा जमा हो जाता है। इससे न केवल दुर्गंध फैलती है, बल्कि मच्छर और अन्य बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है।

वार्डवासियों का कहना है कि इस स्थिति को लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन नगर पालिका ने कोई ध्यान नहीं दिया। सिर्फ गाड़ियों की तकनीकी हालत



ही नहीं, बल्कि गाड़ी चालक का व्यवहार भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय महिलाओं ने आरोप लगाया कि ड्राइवर बात-बात में झुंझलाता है, ठीक से संवाद नहीं करता और शिकायत करने पर जवाब तक नहीं देता। इससे नागरिकों की नाराजगी और बढ़ गई है। नगर पालिका की यह कार्यशैली साफ तौर पर दर्शाती है कि नागरिक सुविधाओं को लेकर कोई गंभीरता नहीं बरती जा रही है। जिस तरह से मेटेनेंस के अभाव में कचरा गाड़ियां 'भगवान भरोसे'

चल रही हैं, उससे साफ है कि नगर पालिका प्रशासन का ध्यान मूलभूत सुविधाओं पर नहीं है। प्रश्न यह उठता है कि जब तक ये गाड़ियां पूरी तरह खराब होकर बंद नहीं हो जाएंगी, क्या तब तक ही इन्हें ठीक कार्याया जाएगा? और तब तक वार्डवासियों यूं ही गंदगी और बदबू के बीच रहने को मजबूर रहेंगे? नगर पालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह इस समस्या का समाधान तत्काल करे और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने की दिशा में गंभीर कदम उठाए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित, फायरबॉल का दिखाया डेमो

सत्ता सुधार ■ गुना

जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आज जिला आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत में फायरबॉल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वीडियो के माध्यम से इसका डेमो दिखाया गया कि यह किस प्रकार से कार्य करती है और आग बुझाने में किस तरह उपयोगी साबित होती है। फायरबॉल की विशेषता यह है कि जैसे ही यह आग के संपर्क में आती है, यह स्वतः-ब्लास्ट हो जाती है और इसके अंदर मौजूद विशेष प्रकार का पाउडर आग को तुरंत बुझा देता है। बाजार में यह उपकरण 400 से 1200 रुपये की रेंज में आसानी से उपलब्ध है। बैठक में 'ऐप' की भी

जानकारी दी गई, जो आम नागरिकों को आपदा की स्थिति में उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा हड़फ़ूर (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) की वेबसाइट के बारे में भी बताया गया, जहां विभिन्न प्रकार की आपदाओं से संबंधित बचाव उपाय, सावधानियाँ, शॉर्ट्स वीडियो और लेखन सामग्री उपलब्ध हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन केवल एक औपचारिकता न रहे, बल्कि यह विषय स्कूल, कॉलेज और आम जनता तक गंभीरता से पहुंचाया जाना चाहिए।अमली बार जब आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित हो, तो अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए।

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

मुश्किल में न डाल दें ये.... सेहतमंद आदते

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का

बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का

सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को

बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नुकसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.



हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फिलप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फिलप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पाती. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फिलप फ्लॉप कम ही पहनें.



फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांझियां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांझियां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को व्लीजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहरा पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिशू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें।

क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग



ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मुँह खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्चा पढ़ाई में अक्ल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदगी डोलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पैरेंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं.

खुशबू से महके आपका घर

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबतियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबतियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबतियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने

- जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खीलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.
- गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.





मुझे अपने लिए गाना है, प्रियंका और दीपिका को देना चाहती हैं आवाज

छोटे पर्दे के चर्चित म्यूजिक रिएलिटी शो इंडियन आइडल के 15वें सीजन की टॉफी सुरीली आवाज की धनी सिंगर मानसी घोष ने अपने नाम कर ली। इंडियन आइडल 15 से पहले एक और म्यूजिक रिएलिटी शो सुपर सिंगर के तीसरे सीजन की रनर-अप रही मानसी शुरू से ही शो की पसंदीदा प्रतिभागियों में से थीं। मानसी घोष ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की साधना शुरू कर दी थी। अपने संगीत प्रेम के बारे में उन्होंने बताया, जैसा कि पारंपरिक बंगाली परिवारों में होता है, मैं बहुत छोटी थी, तब से गाना सीखना शुरू किया। मेरी मम्मी को गाने का बहुत शौक था। वो चाहती थीं कि मैं सिंगर बनूँ, तो मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। फिर, बड़ी होते हुए मुझे समझ में आ गया था कि मुझे सिंगर ही बनना है। दूसरा सिंगिंग रिएलिटी शो करने की वजह? सुपर सिंगर की रनर-अप बनने के बावजूद फिर रिएलिटी शो में भागीदारी की वजह पूछने पर मानसी बताती हैं, सुपर सिंगर एक बंगाली शो था, जबकि मैं नेशनल टीवी पर आना चाहती थी। इसलिए मैंने इंडियन आइडल का ऑडिशन दिया। वही, शो में अपने सफर के बारे में उनका कहना है, यह बहुत मजेदार और जादुई सफर था। मैंने सोचा नहीं था कि मैं शो जीतूंगी। पहले दिन से मेरी सोच ये थी कि इतनी मेहनत करूँ कि फाइनलिस्ट बन जाऊँ। मैं गाने पर ध्यान देना चाहती थी और वही किया, जिसके लिए मुझे बहुत प्यार मिला। शो जीतना तो सोने पर सुहागा था।

इंडिपेंडेंट म्यूजिक में बनाना है करियर
वहीं, आगे के प्लान्स के बारे में मानसी बताती हैं, मुझे आगे लाइव शोज़ करने हैं। गाने बनाने हैं। मुझे कंपोज़ करने का भी शौक है, तो मुझे इंडिविजुअल म्यूजिक में काम करना है। हालाँकि, मैं ज़ेबैक के लिए भी कोशिश करूंगी। मगर अभी सारे ट्रेंडिंग गाने इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट के ही हैं। अभी इंडिपेंडेंट म्यूजिक का दौर चल रहा है और मैं वही करना चाहती हूँ। अपनी प्राइज मनी का इस्तेमाल भी उसी के लिए करना है।

इन दो एक्ट्रेस के लिए चाहती हैं गाना

मानसी किसी एक्ट्रेस के लिए गाना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, मुझे खुद के लिए गाना है। मैं खुद के लिए गाती हूँ। अपनी ऑडियंस के लिए गाती हूँ। बाकी, एक्ट्रेस के लिए मुझे प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण पसंद है तो यही दो नाम सबसे पहले आते हैं।



कृष 4 से बॉलीवुड में दमदार वापसी करने जा रही प्रियंका

कृष फेंचाइजी को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। खबर है कि इस बार प्रियंका चोपड़ा जोनस भी इस फिल्म के जरिए फेंचाइजी में वापसी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने कृष 4 में लीड एक्ट्रेस का रोल साइन कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्रियंका, ऋतिक की इस फिल्म के विजन से इतनी प्रभावित हुई कि उन्होंने तुरंत हामी भर दी। वह ऋतिक के डायरेक्शन में काम करने को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। फैंस भी इस खबर से खुश हैं, क्योंकि कृष और कृष 3 में प्रियंका और ऋतिक की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

जादू की भी होगी एंट्री

फिल्म में एक और खास किरदार की वापसी की खबर है। कहा जा रहा है कि इस फेंचाइजी का प्यारा एलियन जादू भी कृष 4 में नजर आएगा। जादू का किरदार हमेशा से फैंस का फेवरेट रहा है और अब उसकी वापसी की खबर ने उत्साह को दोगुना कर दिया है। यह

देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जादू की क्या भूमिका होगी।

राकेश रोशन कर चुके हैं एलान

28 मार्च को फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने एक खास पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि अब कृष 4 का निर्देशन उनके बेटे ऋतिक रोशन करेंगे। राकेश रोशन ने लिखा था, ड्रग्स, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक एक्टर के तौर पर लॉन्च किया था। आज 25 साल बाद मैं और आदित्य चोपड़ा तुम्हें डायरेक्टर के तौर पर लॉन्च कर रहे हैं। यह हमारी सबसे खास फिल्म कृष 4 होगी। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कृष 4 की शूटिंग 2026 की शुरुआत में शुरू होगी।

साउथ की फिल्म में भी दिखेंगी प्रियंका

कृष 4 के अलावा प्रियंका एक और बड़ी भारतीय फिल्म में नजर आएंगी। वह एसएस राजामौली की पैन-इंडिया फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका शुरुआती नाम एसएसएमबी 29 है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू लीड रोल में हैं। हाल ही में फिल्म की टीम ओडिशा में शूटिंग के दौरान देखी गई थी।



न्यासा का एक्टिंग में फिलहाल कोई इंटरेस्ट नहीं है

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है – क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया – नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मी में आने का कोई इरादा नहीं काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कराते हुए बोलीं, बिल्कुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे – नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रॉनित रॉय, इंद्रीली सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तेजस्वी के साथ शादी की खबरों पर नाराज हुए करण

टीवी एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों के फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जल्द ही एक रियलिटी शो में दोनों सगाई कर सकते हैं। लेकिन, इस तरह की अफवाहों पर हाल ही में करण कुंद्रा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है। करण कुंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, नए जमाने के प्यारे टेबलॉयड। मैं अपनी शादी की खबरें पढ़-पढ़कर परेशान हो गया हूँ। मैं क्योंकि दुबई में हूँ तो अपनी सगाई का एलान शो पर करूंगा। आपमें से कई सारे लोग मुझसे और मेरे एजेंट से एक कॉल दूर हैं। आप कॉल करके कंफर्म

वर्यो नहीं कर लेते? अभी थोड़ा ज्यादा हो रहा है। करण ने आगे लिखा है, मेरी शादी, सगाई, रोका, बच्चा, ब्रेकअप, मिडलाइफ क्राइसिस मैं खुद एनाइस कर लूँ प्लीज। मेरी तरफ से आप सभी को बहुत प्यार और शुभकामनाएं।



इमरान हाशमी ने नेपोटिज्म पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी कजिन आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट द रणवीर शो में इमरान से आलिया की कामयाबी और नेपोटिज्म को लेकर सवाल किए गए। इमरान ने इस पर खुलकर जवाब देते हुए कहा कि आलिया ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी के लिए रास्ता आसान करती है, लेकिन आलिया का स्टारडम उनकी अपनी मेहनत का नतीजा है। रणवीर ने जब इमरान से पूछा कि क्या महेश भट्ट के लंबे करियर का आलिया को फायदा मिला? इस पर जवाब देते हुए इमरान ने बेहद साफगोई से जवाब देते हुए कहा, हर पीढ़ी अपने बच्चों के लिए एक सीढ़ी की तरह काम करती है। मेरे पिता या दादा-दादी से मुझे जो सीख मिली, उसने मुझे इंडस्ट्री को समझने में मदद की। ठीक वैसे ही, महेश भट्ट ने आलिया को सलाह और अनुभव जरूर दिए होंगे। हालाँकि, इसका मतलब यह नहीं कि आलिया की कामयाबी सिर्फ इस वजह से है। इमरान ने साफ किया कि फिल्म इंडस्ट्री में बिना बैकग्राउंड वाले लोग भी सुपरस्टार बने हैं, लेकिन जिन्हें मार्गदर्शन मिलता है, उनके लिए रास्ता थोड़ा आसान हो जाता है।

आलिया की मेहनत की जमकर की तारीफ

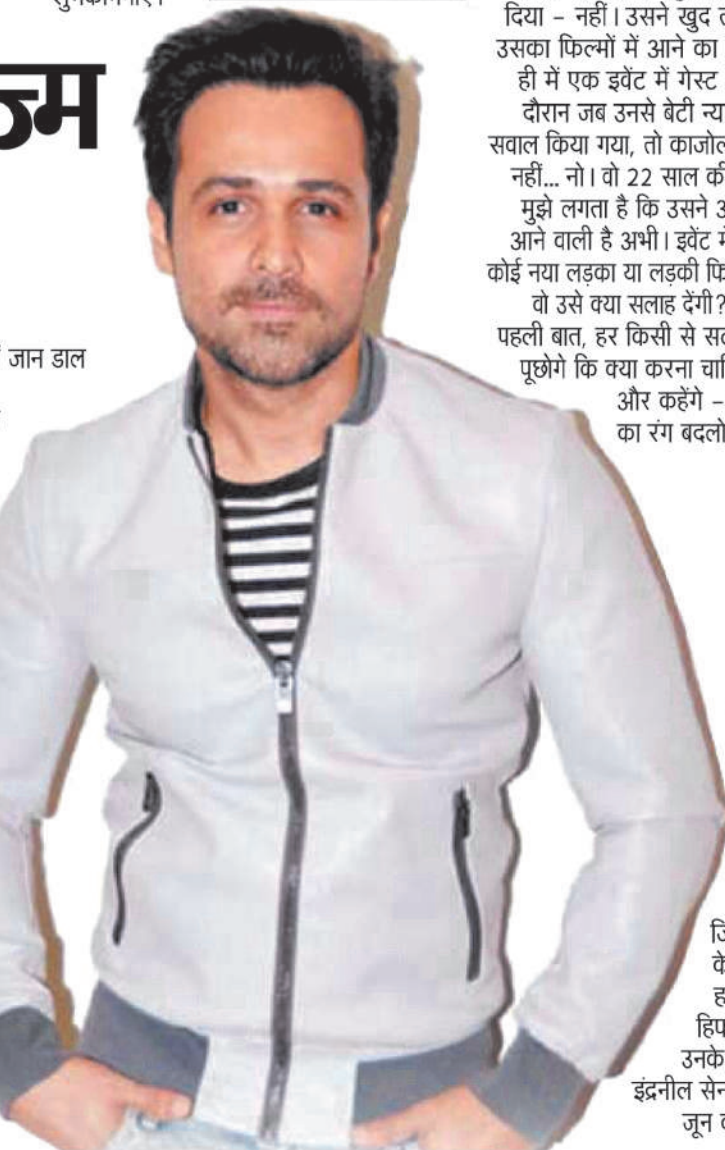
इमरान ने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, आलिया अपने दम पर स्टार बनी हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी मेहनत और प्रतिभा का नतीजा है। एक्टिंग का सफर बहुत अकेला होता है। आपको खुद कैमरे के सामने जाकर परफॉर्म करना पड़ता है। इसमें कोई और आपकी मदद नहीं कर सकता। इमरान ने यह भी कहा कि आलिया बेहद मेहनती हैं



सलाह मांगने लगीं। अगले दिन उनका पहला शॉट था, इसलिए वह काफी नर्वस थीं। लेकिन सच कहूँ तो उन्हें मेरी सलाह की जरूरत नहीं थी। वह खुद में एक शानदार एक्टर हैं।

इमरान की कजिन हैं आलिया

क्या आप जानते हैं कि इमरान और आलिया कजिन हैं? इमरान की दादी मेहरबानो मोहम्मद अली (जिन्हें पूर्णमा दास वर्मा के नाम से जाना जाता था) और महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली बहन हैं थीं। यानी आलिया, जो महेश भट्ट की बेटी हैं, इमरान की कजिन हैं।



राज को तो उनकी मां ने पत्नी की इज्जत करना सिखाया है

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने पहली ही फिल्म सिटी लाइट्स से खुद को अच्छी अदाकारा साबित कर दिया था, मगर उन्हें दमदार रोल अब जाकर सीरीज आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले जैसी फिल्म में मिल रहे हैं। फुले में महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की भूमिका निभा रही पत्रलेखा से हमने कई पहलुओं पर खास बातचीत की –

सावित्री बाई फुले भारत में लैंगिक समानता और फेमिनिस्ट आंदोलन की अग्रणी रही हैं। क्या आपने लड़की होने के कारण गैर बराबरी झेली है? बिल्कुल झेली है। मैंने बचपन से इन चीजों का सामना किया है और ये असमानता अब भी हमारे समाज में है, पर मेरा मानना है कि एक स्ट्रॉंग मां ही इसमें बदलाव ला सकती है। वो ही अपने बेटे को समझा सकती है कि लड़की-लड़का सब एक है। यह आपके घर से शुरू होगा, जो मैंने अपने घर में देखा है। मेरे पैरेंट्स की शुरू से यह सोच रही कि जो मुझे और मेरी बहन को दिया जाएगा, वही मेरे भाई को दिया जाएगा। चाहे वो पढ़ाई हो या दुर्गापूजा के कपड़े हों या खाना, हमारे घर में हर चीज में बराबरी थी, लेकिन बाहर लड़की होने की

वजह से मैंने इव-टीजिंग वगैरह काफी सही हैं। कभी इस गैर बराबरी के खिलाफ आवाज उठाई? बहुत वक्त के बाद। यह आवाज उठाना मुझे राज एक्टर पति राजकुमार राव ने छह-छात साल पहले सिखाया था। वरना, पहले जब इव टीजिंग होती थी, जो हमारे साथ होती ही रहती है कि कोई भी रास्ते पर कुछ बोलकर, करके चला जाता है, तब मुझे बहुत बुरा लगता था, गुस्सा आता है, मगर मैं कुछ नहीं बोलती नहीं थी। मैं चुपचाप अपना सिर नीचे करके चली जाती थी। मुझे याद है, कॉलेज के वक्त हम बस से किसी ट्रिप पर जा रहे थे। जब मैं बस से उतरी तो किसी ने मुझे पीछे से पीट के नीचे छुआ, तो मुझे इतना गंदा लगा कि मैं रात भर रोती रही कि मेरे साथ ऐसा क्यों किया, मेरी क्या गलती थी? मगर ये आपकी बात तो है ही नहीं, ये बात समझने में मुझे बहुत वक्त लग गया।। यह राज ने मुझे सिखाया कि कोई अगर तुम्हें बुरी नजर से देख रहा है, कुछ कह रहा है या तुम्हें असहज महसूस करा रहा है तो तुम बोलो ना कि क्या देख रहे हो? उसे पलटकर जवाब दो। तब मुझे लगा कि हाँ यार, मैं क्या गलत कर रही हूँ, मैं क्यों सिर झुकाकर निकलूँ?

आपका और आपके पति राजकुमार राव का रिश्ता भी बराबरी की पार्टनरशिप की मिसाल माना जाता है। राज का खुद को पत्रलेखा का बॉयफ्रेंड कहना या शादी के समय आप दोनों का एक-दूसरे को सिंदूर लगाना !

इसके पीछे क्या सोच रहती है? राज (राजकुमार राव) या मैं ऐसा कुछ सोचकर नहीं करते। राज की परवरिश ही ऐसी हुई है। ये खूबियाँ उनकी मम्मी ने उनमें डाली हैं। जैसा कि मैंने कहा ये सब चीजें घर से ही शुरू होती हैं। राज की मां बहुत स्ट्रॉंग थीं। उन्होंने उसे सिखाया कि आपको अपनी पत्नी को इज्जत देनी ही है। आपके घर की सब औरतें आपके बराबर हैं। ये चीजें उनको बचपन से सिखाई गई हैं तो वह नैचरली ऐसे हैं। वह ऐसा कुछ दिखाने या साबित करने के लिए नहीं करते। हम दोनों ऐसे ही हैं। यह हमारी पर्सनेलिटी है।

आपने 2014 में पहली फिल्म सिटी लाइट्स में अपनी एक्टिंग के लिए वाहवाही पाई, मगर उसके बाद वैसा दमदार रोल अब जाकर आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले में मिल पाया। आपके हिसाब से कहां गलती हुई?

गलती मेरी तरफ से नहीं हुई यार। यह इंडस्ट्री पर है। मैं अपना काम बहुत शिद्दत से करती हूँ। अगर आपको मेरा काम या शायद मेरा चेहरा पसंद नहीं है तो उसके लिए मैं खुद को दोष नहीं दूंगी कि मुझे वो रोल क्यों नहीं मिले। शायद वो मेरे नसीब में नहीं था। यहां कोई वजह तो बताता नहीं है। सब बोलते थे कि अरे, वेरी गुड वेरी गुड पर उसके आगे क्या? मैं बस इतना जानती हूँ कि मुझे जो काम मिलेगा, वो मैं शिद्दत से करूंगी। उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी।

फिल्म टोस्टर से आप निर्माता भी बन गई हैं। यह ख्याल कैसे आया और कैसा अनुभव रहा? मैं चार-पांच साल से सोच रही थी कि मुझे निर्माता बनना है। हम उस दिशा में काम कर रहे थे, पर ऐसी चीजें रातोरात नहीं होतीं। पिछले साल हमने यह फिल्म ओटीटी के लिए पिच की, उन्हें पसंद आ गई। राज को रोल पसंद आ गया, तो काम शुरू हो गया, पर यह एक्टिंग से बहुत अलग काम है। इसमें बहुत दिमाग और वक्त लगता है और यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है। शूट से पहले की प्लानिंग, सेट पर सबकुछ कैसे होगा, यह सब मैनेज करना बहुत ही मुश्किल काम है। हालाँकि, एक शानदार क्रिएटिव जर्नी भी होती है। डीओपी, डायरेक्टर के साथ जो फैसले आप लेते हैं, वो सब बहुत मजेदार प्रॉसेस है, लेकिन मुश्किल भी उतना ही है।

सावित्री बाई फुले का किरदार निभाना कितना बड़ी जिम्मेदारी थी? आप समाज सुधार के लिए क्या काम करना चाहेंगी?

ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने समाज के लिए जितना किया है, हम आज के समय में वैसा करने की सोच भी नहीं सकते। उनकी जिंदगी का एक ही मकसद था, समाज में सुधार लाना। वो चाहे लड़कियों की शिक्षा को, बाल विवाह रोकना हो, छोटी जाति वालों को समाज में जगह दिलाना हो, वे बस समाज की बेहतरी के लिए काम करते रहे। क्या मैं आज वो कर सकती हूँ? क्या अपने अलावा औरों के बारे में सोच सकती हूँ, नहीं, क्योंकि आज हम सिर्फ खुद को आगे बढ़ाने के बारे में ही सोचते रहते हैं।

ब्रीफ न्यूज

ग्राम पंचायत लखेरी बसारती में घंटिया निर्माण कार्य की शिकायत

अशोकनगर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लखेरी बसारती में सरपंच सारस सिंह गिल द्वारा गुणवत्ता गुणवत्ता इन घंटिया निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं,जिसकी ग्रामीण पवनदीप पुत्र राजेन्द्र सिंह द्वारा जिला पंचायत सीईओ से शिकायत की गई है। शिकायत कर्ता पवन दीप ने बताया सरपंच द्वारा मनरेगा के तहत स्वीकृत स्टॉप डेम में फर्जी बड़ा किया गया है।जिसमें सरिया नहीं डाला गया है, डस्ट से बना दिया गया है। निर्माण कार्य की नींव नहीं खोदी गई, ऐसा ही सफाई करके बना दिया गया है। कार्य में लम्बाई एवं चौड़ाई स्टीमेट के हिसाब से नहीं है। कार्य में मिट्टी मिली रेत लगाई गई है। जिससे कार्य इस बरसात में ढह जाएगा। कार्य में अगल बगल की साइडें मात्र एक फीट की बनाई गई हैं। जिससे डेम की पकड़ भी नहीं है। उन्होंने बताया कि ग्राम लखेरी बसारती में पूर्व में विधायक निधि से सी.सी सड़क का निर्माण किया गया था। पूर्व से बनी हुई सड़क को पुनः निर्माण किया जा रहा है, जो कि पहले से ही सही है,पुरानी सड़क पर ही 1.5 इंच की सड़क डाल दी, जिसकी कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने विधायक निधि द्वारा ग्राम लखेरी बसारती में बनाई जा रही सड़क का निरीक्षण करवाने की मांग की है।

पनीर फैक्ट्री प्रबंधन की मनमानियों के विरोध में सौंपा ज्ञापन



सीहोर। जिला कांग्रेस के पूर्व महासचिव पंकज शर्मा ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर बालगुरु के. के नाम संबोधित एक ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर आनंद राजावत को सौंपा। सीहोर के समीपस्थ पिपलिया मीरा गांव स्थित जय श्री गायत्री फूड प्रॉडक्ट्स प्रालि और मिल्क मैजिक पनीर फैक्ट्री प्रबंधन शुरू से ही अपनी विवाचित कार्यशैली के लिए जाना जाता रहा है और इसके द्वारा अपना जहरीला पानी खुले में छोड़कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के साथ ही गलत तरीके से बैंक लोन लेने सहित कई अन्य प्रकार की पर्यावरणीय तथा आर्थिक अनियमितताएं करने के मामले भी कई बार सामने आ चुके हैं। पंकज शर्मा ने आगे कहा कि इसके अलावा उसका विरोध करने वालों को वो उनकी चरित्र हत्या करके, कार्नानी नोटिस थमाकर, डडा-धमकाकर या शारीरिक क्षति पहुंचाकर अपने रास्ते से हटा देता है, सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सिंह राजपूत और वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र जैन के मामले में भी उसके द्वारा कई प्रकार की अनैतिक चालें चलकर उनको बर्बाद करने का प्रयास किया गया लेकिन उन पर उसकी ये चाल काम नहीं आई।

हनुमान यात्रा पर पत्थर मारने वालों पर हो बुलडोजर कार्रवाही

सत्ता सुधार ■ सीहोर
विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने गुना के कर्नल गंज में स्थित मदीना मस्जिद से लोगों के द्वारा हनुमान जयंती यात्रा पर योजना पूर्व पत्थर बरसाने की घटना की कड़ी निंदा की है। आसामाजिक तत्व पर बुलडोजर कार्रवाही और गिरफ्तारी सहित पीएफआई कनेक्शन की जांच की मांग को लेकर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्ट्रेट पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाहा को दिया। विश्व

हिन्दू परिषद बजरंग दल ने कहा कि 12 अप्रैल को गुना के कर्नल गंज में स्थित मदीना मस्जिद से श्री हनुमान जन्मउत्सव यात्रा पर भीड़ ने हमला किया था। यह हमला सुनियोजित था। हमले के दौरान आमजन द्वारा मोबाइल से बनाए गए वीडियो के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि मस्जिद में पहले से ही लोग जमा थे। ज्ञापन देते समय प्रांत गोरक्षा उपाध्यक्ष अजीत शुक्ला जिला मंत्री राकेश कुमार विश्वकर्मा कथा वाचक पंडित मोहित राम



विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने दिया सीएम के नाम का ज्ञापन

पाठक जिला कोषाध्यक्ष महेश मेवाड़ा जिला जिला गौरक्षा प्रमुख जितेंद्र नारोलिया जिला बलउपासना प्रमुख अनिरुद्ध प्रताप सिंह चौहान जिला महाविद्यालय प्रमुख सुरेश दांगी कैलाश चौहान विजेन्द्र जायसवाल नगर अध्यक्ष परमवीर जाट नगर सह मंत्री हेमंत विश्वकर्मा सासाहिक मिलन प्रमुख अर्जुन सेन नगर समरसता प्रमुख शैलेंद्र दोहरे विश्व हिंदी परिषद बजरंग दल के ऊजावान कार्यकर्ता बंधु एवं हिन्दु समाज के वरिष्ठ समाज जन उपस्थित रहे।

ग्राम इमलीखेड़ा, लीलाखाड़ी एवं आमामाई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण कार्य आयोजित

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने किया श्रमदान

सत्ता सुधार ■ सीहोर
कलेक्टर बालागुरु के., जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन तथा जनपद अध्यक्ष नावड़ी बाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने ग्राम इमलीखेड़ा, लीलाखाड़ी एवं आमामाई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित जल संरक्षण कार्य में श्रमदान किया।

उन्होंने गांव में चल रहे अन्य जल संरक्षण के कार्यों का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर कलेक्टर बालागुरु के. ने ग्रामवासियों से जल संरक्षण के कार्यों में सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि जिले में ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले के स्टॉप डेम, चेक डैम सहित बोरी बंधान कार्य किया जाए, जिससे ग्रीष्म ऋतु में किसान, पशु, पक्षी आदि के लिए भी जल की उपलब्धता बनी रहे। जिले में पुराने तालाबों, चेक डैम, स्टॉप डैम की



मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य भी किया जाये। मैदानी अमले को निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल स्रोत जैसे तालाब, कुआं, बावड़ी इत्यादि का जीर्णोद्धार, मरम्मत

तथा निर्माण कराया जाए।

उन्होंने कहा कि व्यापक स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये जाए। कलेक्टर ने कहा कि

जल संरचनाओं के साथ सफाई के साथ गहरीकरण भी किया जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा वर्षा के जल का भराव हो सके। जल के संरक्षण व संवर्धन के विशेष अभियान च्चल गंगा संवर्धन अभियानज्ज की सफलता के लिए आमजन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, पौधरोपण, पुराने नदी, तालाब एवं बावड़ी जैसे जल स्रोतों के जीर्णोद्धार तथा संरक्षण के लिए सरकार व समाज, दोनों ही स्तर पर कार्य होना चाहिए। जल संरक्षण कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष नावड़ी बाई, जनपद सीईओ नमिता बघेल, जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक प्रदीप सेंगर, स्व सहायता समूह की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए।

पंचायत निधि से जिला जेल परिसर में सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन



चार लाख की लागत से 7 दिन में सड़क बनकर होगी तैयार

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिला जेल में कैदियों को हो रही असुविधा, ठेकर लगने से होने वाली संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए जेलर श्री सिद्धकी द्वारा ग्राम पंचायत आंवरी की सरपंच श्रीमती गंगा विजय बैरागी को आग्रह किया गया कि जेल परिसर में सीसी सड़क निर्माण कराई जाए। जिस पर सरपंच श्रीमती बैरागी द्वारा पंचायत निधि से सड़क निर्माण के लिए आज जेल परिसर में भूमि पूजन किया गया।

सरपंच श्रीमती बैरागी ने बताया कि जेलर श्री सिद्धकी द्वारा कैदियों की परेशानी से अवगत कराते हुए जेल परिसर में सीसी सड़क निर्माण कराने की मांग की गई थी। जिसे हमने पंचायत में आने वाले फंड से चार लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण के

लिए आज भूमि पूजन किया यह सड़क करीब 7 दिन में बनकर तैयार हो जाएगी। जिससे कैदियों को अब असुविधा नहीं होगी। क्योंकि जेल परिसर में पत्थर की फर्शियां बिछी हुई थी, जो पुरानी हो चुकी थी

जिससे ठेकर लागकर गिरने की संभावना बनी रहती थी। सीसी सड़क निर्माण के बाद समस्या खत्म हो जाएगी। भूमि पूजन के अवसर पर जेलर श्री सिद्धकी ने कहा कि जेल परिसर में यह कैदियों की बड़ी समस्या थी, इसके समाधान के लिए ग्राम पंचायत आवरी की सरपंच श्रीमती गंगा बैरागी ने आगे आकर समाधान किया। सड़क निर्माण के बाद अब किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। सहयोग के लिए श्रीमती बैरागी का आभार एवं धन्यवाद।

आयकर विभाग के कार्यालय के बाहर कांग्रेस का धरना

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को केंद्र सरकार के विरोध में स्थानीय आयकर विभाग कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अशोकनगर विधायक इंजीनियर हरी बाबू राय ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मोदी सरकार की इस नवीनतम दमनकारी कार्रवाई की कड़ी निंदा करती है, नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की मनमानी और अन्यायपूर्ण जब्ती तथा पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना। यह कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है। यह कानून के शासन का ढोंग रचती एक राज्य प्रायोजित अपराध है। उन्होंने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी और हमारे पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना राज्य सत्ता का भयानक दुरुपयोग है। यह लोकतांत्रिक विपक्ष पर सीधा हमला है। सत्तारूढ़ शासन द्वारा राजनीतिक डराने-धमकाने का एक घंटिया प्रयास है, जो पूरी तरह



पागलपन की हद तक पहुंच चुका है। यह प्रतिशोध की राजनीति का निकृष्टतम रूप है। कांग्रेस पार्टी और उसका नेतृत्व कभी चुप नहीं रहेगा। हमने पहले भी भारत की आत्मा के लिए संघर्ष किया है, और फिर करेंगे। सत्य, न्याय और संवैधानिक लोकतंत्र के मूल्य हमारे लिए समझौता न करने योग्य हैं। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहर राजेन्द्र कुशवाह, जिलाध्यक्ष ग्रामीण कृष्ण पाल यादव विधायक

हरीबाबू राय, दशरथ सिंह रघुवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष सचिन शर्मा, ज्ञान सिंह राजपूत, विशाल रघुवंशी, अभिजीत रघुवंशी, सुरेंद्र रघुवंशी, राजकुमार लोधी, मुन्नालाल अहिरवार, ज्ञानीदास अहिरवार मोतीलाल सुनेरिया, हीरालाल अहिरवार, जो अभी तक हुआ है, पूरे तरीके से घंटिया एवं गुणवत्ता हीन होकर टिकाऊ नहीं है, उन्होंने ने कलेक्टर से उक्त ग्राम पंचायत भवन निर्माण की जांच करवाकर निरस्त करने की मांग की है। जिससे अच्छी बिल्डिंग का निर्माण हो सके।

पोस्ट मेट्रिक हॉस्टल में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर अभावपि ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति हॉस्टल जिला संयोजक को सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सीहोर द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति हॉस्टल जिला संयोजक को ज्ञापन सौंपा। नगर सहमंत्री खुशल मोटवानी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो सदैव छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान हेतु करने सदैव तत्पर रहता है। कुछ समय पूर्व पोस्ट मेट्रिक की वार्डन द्वारा छात्रा की तस्वीर वापसल की गई एवं छात्रा से दुर्व्यवहार किया गया। जिस पर अभावपि की मांग है उक्त वार्डन द्वारा किये गये



कृत्य की जांच कर कार्यवाही की जावे। साथ ही छात्रावास में भोजन की समस्या छात्रावास में छात्राओं को जो भोजन दिया जाता है उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं है जिससे कई छात्राओं के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ा है भोजन की गुणवत्ता में

सुधार किया जाए। छात्रावास में साफ सफाई - छात्रावास में साफ सफाई की समस्या भी है जिससे छात्रावास में आय दिन कीड़े, जहरीले जीव जंतु भी छात्रावास में देखे गए हैं जिससे किसी भी प्रकार की घटना घट सकती है। छात्रावास एवं छात्रावास के आस पास की सफाई कराई जाए जिससे कोई भी प्रकार की घटना से बचा जा सके। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आपसे मांग करती है कि इन सभी समस्याओं का समाधान 5 दिनों के अंदर नहीं किया जाता है तो विद्यार्थी परिषद् अगली प्रतिक्रिया एवं आंदोलन के लिए वाध्य होंगी। ज्ञापन सौंपने वालों

अंतर्राष्ट्रीय धर्माचार्य ने पत्रकार वार्ता में सनातन धर्म के संस्कार का किया समर्थन

मृत्यु भोज त्यक्ति के अंतिम संस्कार की अंतिम प्रक्रिया, इसलिए जरूरी : आचार्य देव मुरारी

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

अंतर्राष्ट्रीय धर्माचार्य देव मुरारी बापू ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर सनातन धर्म के संस्कारों में होने वाले अंतिम संस्कार में मृत्यु भोज का समर्थन करते हुए उसे आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग मृत्यु भोज को समाज का अभिशाप बताते हैं, और बंद करने की बात बोलते हैं, दरअसल वह लोग अज्ञानी हैं। और लोगों की सामाजिक, धार्मिक और वैदिक परंपराओं का विरोध कर जन भावनाओं को आहत पहुंच रहे हैं। देव मुरारी बापू ने कहा, हाल ही में मुंबावली में प्रवचन कर रहे तथा कथित कथा वाचक देवेंद्र शास्त्री के बयानों को मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद कहा अगर इस प्रकार का वक्तव्य शास्त्री जैसे लोग बंद नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 की कार्रवाई कराते हुए डंड



दिलाया जाएगा। जिसमें नागरिकों के किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उनके धर्म या धार्मिक विश्वास का अपमान करते हुए जान बूझकर और दुर्भावपूर्ण तरीके से ठेस पहुंचाने के कृत्य से संबंधित है, इसमें बोले गए या लिखे गए शब्द सांकेतिक दृश्य चित्रण या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की गई हरकतें शामिल हैं। इस अपराध के लिए सजा दलाई जा सकती है। देवेंद्र शास्त्री जैसे लोग पहले रामायण भगवत गीता

का अध्ययन करें, उसके बाद प्रवचन करें, तो अच्छ होगा। वरना हमेशा के लिए प्रवचनों पर रोक लगवा दी जाएगी। अशोकनगर पुजारी संघ जिला अध्यक्ष उपेंद्र पाराशर ने कहा देवेंद्र शास्त्री जैसे लोग समाज को भ्रमित कर रहे हैं, पहले शास्त्र, ग्रंथ का अध्ययन करें उसके बाद प्रवचन करें तो अच्छ होगा। देव मुरारी बापू ने कहा रामायण में महाराज दशरथ जी के मरण के बाद भरत जी ने अपने पिता के दसगात की संपूर्ण क्रिया को किया था। साथ ही महाभारत में बड़े-बड़े योद्धा जब युद्ध भूमि में मारे गए तो उनके लिए श्रद्धांजलि देने के लिए कुरुक्षेत्र में सभी पांडवों ने इस प्रक्रिया को निभाया है। युगों से चली आ रही वैदिक परंपरा का हिनय यदि कोई करेगा। तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए अखाड़ा परिषद ने हमको अधिकार दिया है, कि कोई भी सनातन या हिंदू या वैदिक धर्म के खिलाफ कार्य करता है, तो उसके

खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। मृत्यु भोज के बारे में परंपरा है कि अगर समर्थ नहीं है, तो परिवार के दस ग्यारह लोगों को भोज करा कर भी मृत्यु भोज किया जा सकता है। तभी परिवार में व्यक्ति के मृत्यु उत्पन्न पवित्रता मानी जाती है। कुछ लोग हिंदू धर्म की परंपराओं के खिलाफ यह अभियान चला रहे हैं। अगर विरोध करना है तो हर वर्ष जन्मदिन मनाया जाता है। वो फिजूल खर्च है, उसको बंद किया जा सकता है। शादी की सालगिरह हर वर्ष मनाते हैं, वह फिजूल खर्च बंद किया जा सकता है, पर जो हमारी धार्मिक मान्यताएं हैं, वह बंद नहीं की जा सकती। हर इंसान के जन्म से लेकर मरने तक दस संस्कार बताए गए हैं, जिनको करना अनिवार्य है, तभी वैदिक परंपरा की रक्षा होगी। यही हमारा हिंदू धर्म है। प्रेस वार्ता में प्रिंस रघुवंशी दीपक रघुवंशी हरवीर रघुवंशी विकास रघुवंशी आदि मौजूद रहे।



सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा विगत दिवस हनुमान उत्सव पर गुना में शोभा यात्रा पर हुए हमले के विरोध में बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया

गया। विहिप नेता डॉ दीपक मिश्रा ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि, योजना पूर्वक शोभा यात्रा पर हमला किया गया है, इसके कनेक्शन की जांच की जाए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर बजरंग दल विभाग संयोजक द्वारा ज्ञापन का वाचन

किया गया। डॉक्टर मिश्रा ने कहा की सभ्य समाज में यह अक्षम्य अपराध है। शहर की शांति व्यवस्था, समाज का ताना-बाना बिगड़ने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। जिससे भविष्य में समाज में ऐसी घटनाएं ना हों। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष

वकील लोधी मोहन नामदेव रमेश गुप्ता सत्येंद्र चंदेल रामकृष्ण कुशवाहा रोहित सेन सतपाल सतेंद्र चंदेल, रानू यादव, सतपाल, गौव शर्मा, राकेश लोधी, बकील लोधी, दीपक जोशी, दीपक लोधी अनिल अहिरवार आदि मौजूद थे।

बीफ न्यूज

इंदौर के जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष लखन यादव बने



इंदौर। इंदौर जिला बार एसोसिएशन में कुल 4739 वोटर है। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव व कोषाध्यक्ष के पद पर चार-चार और कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों पर 16 उम्मीदवार मैदान में है। शाम को मतगणना शुरू हो गई थी, जो देर रात तक चली। इंदौर के जिला बार एसोसिएशन के नजीते आ गए। अलग-अलग चक्रों की मतगणना के बाद प्राप्त नतीजों में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार लखनलाल यादव को सबसे ज्यादा 1151 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राकेश पाल को 1033 वोट प्राप्त हुए। मतदान सुबह 11 मतदान शुरू हुआ था। नतीजे देर रात आए। सचिव कपिल बिरथरे चुने गए है। उन्हें 1579 वोट मिले। इस बार युवा वोटर निर्णायक स्थिति में रहे। सभी उम्मीदवारों ने युवा वोटरों को साधने की कोशिश की थी। इस बार उनकी संख्या 300 से ज्यादा थी।मतदान समाप्ति तक 3253 वकीलों ने मतदान किया। इंदौर जिला बार एसोसिएशन में कुल 4739 वोटर है। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव व कोषाध्यक्ष के पद पर चार-चार और कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों पर 16 उम्मीदवार मैदान में है। शाम को मतगणना शुरू हो गई थी, जो देर रात तक चली। उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र नीम चुने गए। उन्हें 1500 वोट मिले है। इसके अलावा सह सचिव पद के लिए विजय व्यास चुने गए। उन्हें 1040 वोट मिले है। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार पुरूषोत्तम सोमानी को 1234 वोट मिले।

दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी की गुल्लक योजना कोमिल रहा अस्था प्रतिसाद

इन्दौर। तीर्थों के सर्वांगीण विकास, संरक्षण एवं जीर्णोधार आदि के लिए 123 वर्षों से संचालित संस्था भारत वर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी सदैव तत्पर रहती है। हमारे प्राचीन मंदिर हमारी संस्कृति की धरोहर और हमारी आस्था के केंद्र हैं उनका संरक्षण विकास एवं जीर्णोधार करना हम सब की सामूहिक जवाबदारी है। इसी उद्देश्य से तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने संपूर्ण भारत के तीर्थ क्षेत्रों एवं मंदिरों में कुछ वर्ष पूर्व अर्थ संग्रह हेतु गुल्लक रखने का निर्णय लिया था एवं अनेकों मंदिरों में गुल्लक राखी गई जिसे तीर्थ भक्त सुश्रावकों द्वारा अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। राजेश जैन ददू ने बताया कि तीर्थ के विकास एवं जीर्णोधार में हमारी चंचला लक्ष्मी का भी सदुपयोग हो इस उद्देश्य से समाजजनों द्वारा गुल्लकों में राशि डाली जा रही है जिसके माध्यम से अच्छी राशि प्राप्त हो रही है। गुल्लक योजना समिति के चेयरमैन हंसमुख गांधी इंदौर ने बताया कि हाल ही में पदमपुर ,अयोध्या, अहि क्षेत्र, गाजियाबाद, शामली आदि अनेकों मंदिरों की गुल्लक खोली गई तो कई गुल्लकों में एक लाख से डेढ़ लाख रुपए तक की राशि प्राप्त हुई जिसका उपयोग मंदिरों और तीर्थों के विकास में किया जाएगा।

अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर वन विभाग को 25 लाख पेड़-पौधे लगाने के निर्देश दिए गए

25 लाख पौधों के लिए जमीन की तलाश शुरू, बारिश से पहले बड़ी चुनौती

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर वन विभाग को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 25 लाख पौधे लगाने का निर्देश मिला है। मंत्री तुलसी सिलावट के आदेश के बाद महु, मानपुर, चोरल और इंदौर रेंज में जमीन तलाशने का कार्य जारी है। वन विभाग पिछले कई दिनों से लगभग 25 लाख पौधे लगाने के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश कर रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जल संसाधन मंत्री द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर वन विभाग को 25 लाख पेड़-पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण की योजना बनाई गई है, जिसके लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है।



मंत्री तुलसी सिलावट के निर्देश के बाद वन विभाग ने महु, मानपुर, चोरल सहित इंदौर फरिस्ट रेंज में पौधे लगाने के लिए स्थानों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। डीएफओ प्रदीप मिश्रा के अनुसार, कई स्थानों की पहचान कर

ली गई है, जहां पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। हालांकि वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि 25 लाख नए पौधे लगाने के लिए जमीन तलाशना आसान नहीं है, क्योंकि पिछले वर्ष ही मंत्री कैलाश

विजयवर्गीय के आदेश पर 51 लाख पौधारोपण अभियान चलाया गया था, जिसमें विभाग ने लगभग 25 लाख पौधे पहले ही लगा दिए थे।

हर साल 5 लाख पौधारोपण की परंपरा, इस बार चुनौती बड़ी

इसके अलावा, वन विभाग हर साल वर्षा ऋतु से पहले लगभग 5 लाख पौधे स्वयं भी लगाता है। इस वर्ष भी बारिश से पहले गड्डे खोदने की तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं। ऐसे में इस बार पौधों की संख्या और जिम्मेदारी दोनों ही अधिक हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत अब पूरा वन अमला इंदौर की चारों फरिस्ट रेंजों में पौधारोपण के लिए जगह तलाशने में व्यस्त है।

30 लाख पौधे लगाने की बड़ी जिम्मेदारी, हरियाली बढ़ाने की पहल पिछले वर्ष के अभियान के बाद इस साल भी इंदौर वन विभाग के सामने करीब 30 लाख पेड़-पौधे लगाने और उनका संरक्षण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि विभाग कितने समय में 25 लाख पौधों के लिए जमीन का बंदोबस्त कर पाता है। उल्लेखनीय है कि शहर में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी होती है। जल गंगा संवर्धन अभियान भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके तहत लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है।

बीआरटीएस तोड़ने से इंदौर नगर निगम कमाएगा करोड़ों रुपए



करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। इस प्रक्रिया से शुद्ध लाभ के रूप में निगम को 3.37 करोड़ रुपए की कमाई होगी। राज्य सरकार द्वारा कॉरिडोर को हटाने का निर्णय लिया गया था, जिसे हाईकोर्ट की स्वीकृति भी मिल

चुकी है। अब नगर निगम द्वारा तोड़ाई की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। **कॉरिडोर तोड़ने में आएगा इतना खर्च:** सर्वे के मुताबिक, कॉरिडोर में आरसीसी बीम की कुल लंबाई 10475 मीटर,

चौड़ाई 0.35 मीटर तथा गहराई 0.30 मीटर है, जिसका कुल घनफल 2199 घनमीटर है। इसे हटाने की लागत प्रति घनमीटर 786 रुपए के अनुसार 17.29 लाख रुपए होगी। वहीं, 18 बस शेल्टर होम की कुल लंबाई 344 घनमीटर है, जिस पर 8.20 लाख रुपए का खर्च आएगा। इसके अतिरिक्त अन्य छोटे आरसीसी निर्माण 32207 घनमीटर क्षेत्र में फैले हैं और स्क्रब्स 40105 घनमीटर में निर्मित हैं। इन निर्माणों को हटाने पर 3.25 लाख रुपए का खर्च आएगा। कॉरिडोर के दोनों ओर लगी स्टील की रैलिंग, जिनका कुल क्षेत्रफल 3.67 लाख वर्गमीटर है, इन्हें निकालने पर भी कुछ खर्च आएगा। कुल मिलाकर यह पूरा कार्य 34.70 लाख रुपए में संपन्न होगा।

महापौर ने अधिकारियों को दिए बेहतर प्लानिंग के निर्देश



इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर गंभीर कदम उठाने जा रहा है। डॉंग बाइट की घटनाओं को देखते हुए महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी ऑफिस में निगम अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने

अधिकारियों से आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा है। बैठक में महापौर ने कुत्तों के नसबंदी अभियान की प्रोग्रेस रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल इंदौर ही नहीं, पूरे देश के कई शहरों की है। सुप्रीम कोर्ट में इस विषय को लेकर पहले से कई याचिकाएं लंबित हैं। ऐसे में नगर निगम इंदौर को भी तथ्यात्मक और मजबूत आधार के साथ रिव्यू दायर करना चाहिए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकल सके। अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में इंदौर में लगभग 30 हजार कुत्तों की नसबंदी बाकी है। महापौर ने नसबंदी के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान चलाने और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी व्यवस्था करने के लिए कहा है। महापौर ने कहा कि इंदौर की जनभागीदारी पूरे देश के लिए मिसाल है। हम सभी को मिलकर इस समस्या का समाधान तलाशना होगा, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इंदौर नगर निगम का यह कदम न केवल शहर की जनता के लिए राहत लेकर आएगा।

निगमायुक्त की चेतावनी- शेड पर लगे विज्ञापन हटाएं संस्थाएं नहीं तो निगम करेगा सफेद रंग



सत्ता सुधार ■ इंदौर

बढ़ती गर्मी को देखते हुए इंदौर में कई जगह संस्थाओं ने शेड लगाए हैं। इन शेड के आड़ में विज्ञापन लगाए गए हैं। इसे लेकर नगर निगम ने चेतावनी दी है। निगमायुक्त ने कहा कि संस्थाओं को विज्ञापन हटाने को कहा है अगर वे विज्ञापन नहीं हटाते है तो नगर निगम इन शेड पर सफेद रंग करा देगा। दरअसल, शहर के कुछ चौराहों पर जैसे पलासिया, हाईकोर्ट चौराहा आदि जगह पर संस्थाओं द्वारा शेड लगाए गए है। हालांकि ये शेड लोगों को गर्मी में धूप से बचाने के लिए लगाए गए है। मगर इन शेड पर विज्ञापन लगा दिए गए है, जिसे लेकर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने इन शेड को लगाने वालों को चेतावनी दी है। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि गर्मी में दो पहिया वाहन चालकों, राहगीरों को धूप से बचाने के लिए

कई जगह लगी है हरी नेट

उल्लेखनीय है कि चौराहों पर तेज गर्मी में खड़े रहना दो पहिया वाहन चालाकों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। ऐसे में वे चौराहे के पास पेड़ की छांव के नीचे रुक जाते है। ऐसे में ग्रीन नेट या इस तरह के शेड से धूप से बचाव हो जाता है और वे चौराहे पर रुक जाते है। गौरतलब है कि पिछले साल भी गर्मी में अधिकतर चौराहे पर ग्रीन नेट लगाई गई थी, जिससे वाहन चालकों को धूप में चौराहे पर खड़े रहने के दौरान राहत मिली थी। इस बार ग्रीन नेट और इन शेड के कारण गर्मी में चौराहे पर रुकने में कुछ समय के लिए धूप से राहत मिल रही है।

कई संस्थाओं ने ग्रीन नेट लगाने का निवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने चौराहों पर शेड लगा दिए। पक्के शेड लगाए और उन पर विज्ञापन कर दिया, जो बिल्कुल भी नियमसंगत नहीं है। ऐसे सभी लोगों को चेतावनी दी है।

हीटवेव का कहर! गर्मी ने तोड़े रिकार्ड इंदौर में पारा 41 पार, अगले 3 दिन भारी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड! मंगलवार को दिन का तापमान 40.1 डिग्री और रात का 24.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने हीटवेव का अलर्ट जारी किया है और कहा है कि अगले तीन दिन तक इंदौर समेत मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ेगी। इंदौर में आज सुबह से ही तेज धूप देखने को मिली है। लगातार दूसरे दिन शहर में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मंगलवार को इंदौर में दिन का तापमान 1.8 डिग्री बढ़कर 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, रात का तापमान भी 1.1 डिग्री उछलकर 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में यह बढ़ोतरी गर्मी के प्रकोप को दर्शा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी का असर बना रहेगा। खासतौर पर ग्वालियर,



चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी लू चल सकती है। बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर संभाग में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की चेतावनी जारी की है। इस अवधि में बारिश की कोई संभावना नहीं है, हालांकि पूर्वी मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में कुछ स्थानों

पर हल्की बूंदबांदी हो सकती है। फिलहाल प्रदेश में मौसम से जुड़े तीन सिस्टम सक्रिय हैं। इनमें दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ लाइन शामिल है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 16 अप्रैल से पश्चिम हिमालय क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो इसका असर मध्यप्रदेश पर दो दिन बाद यानी 18 अप्रैल से दिख सकता है।

बुधवार भस्म आरती दर्शन: वीरभद्र वंदना के साथ खुले कपाट

सत्ता सुधार ■ उज्जैन

उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के भस्म आरती के साथ भगवान महाकाल का दिव्य पूजन और श्रृंगार किया गया। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही सबसे पहले वीरभद्र जी को प्रणाम कर स्वस्तिवाचन हुआ और आज्ञा लेकर चांदी का द्वाार खोला गया। गर्भगृह के पट खोलने के बाद पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार उतारा और पंचामृत पूजन के बाद कपूर आरती की। इस दौरान बाबा महाकाल का श्रृंगार भगवान गणेश जी के स्वरूप में किया गया। नंदी हॉल में पहले नंदी महाराज का स्नान, ध्यान और पूजन किया गया। इसके बाद भगवान

महाकाल का जल से अभिषेक हुआ। फिर दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से पंचामृत स्नान कराया गया। भगवान को ड्रायफ्रूट, फल और मिठाई का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद भस्म अर्पित की गई और भगवान को रजत का शेषनाग मुकुट, रजत की मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों से बनी माला पहनाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।



ब्रीफ न्यूज

आरओ बैटक आज

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक 17 अप्रैल को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में राजस्व विभाग की योजनाओं पर समीक्षा की जायेगी।

जिले में नरवाई नहीं जले: कलेक्टर

मुरैना। ग्रीष्मकाल में आगजनी की घटनायें बढ़ जाती है, इस संबंध में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने जिले के समस्त एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश दिये हैं कि जिले में कहीं भी नरवाई नहीं जलना चाहिये, कहीं से भी कोई सूचना नरवाई जलने की मिलती है तो तत्काल कार्यवाही की जाये।

जिला चिकित्सालय व नगरीय निकायों में फायर की मॉकड्रिल करायें

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और जिले की नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्र में आगजनी को घटना को त्वरित गति से रोकने के लिये मॉकड्रिल करायें। इसमें कहां से फायर ब्रिगेड उपलब्ध होगी, वाहन चालक का नाम, मोबाइल नंबर संधारित होना चाहिये। बैठक में कलेक्टर ने रूरल टेक्नोलॉजी पार्क, ट्रैफिक सिग्नल, खुले बोर बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से आयुष्मान कार्डों की पिछले सप्ताह बनाये गये उनकी समीक्षा की।

जनपदों के अंतर्गत वलस्टर स्तर पर दो-दो फायर टैंकर रहें: कलेक्टर

मुरैना। पिछले वर्ष ग्रीष्मकाल में आगजनी की घटना को रोकने के लिये जनपदों के अंतर्गत वलस्टर स्तर पर दो-दो फायर टैंकर तैयार कराये गये थे। उनके टैंकरो का जनपद सीईओ पुनः भौतिक सत्यापन करें, ताकि आने वाले समय में आगजनी की घटना को तत्काल रोका जा सके। ये निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बैठक के दौरान समस्त जनपद सीईओ को दिये। कलेक्टर ने कहा कि भौतिक सत्यापन करने के बाद उस टैंकर पर टैंकर का नंबर, वाहन चालक का नाम एवं मोबाइल नंबर सहित वलस्टरवार सूची डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेधा तिवारी को उपलब्ध करायें। बैठक में उन्होंने प्रत्येक सीएमओ से फायर ब्रिगेड की स्थिति के बारे में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फायरब्रिगेड में छोटी-मोटी कमियां हैं, उन्हें शीघ्र दुरुस्त करा लें।

सभी कार्यालय प्रमुख ई-ऑफिस पर विशेष ध्यान दें

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि प्रदेश स्तर से ई-ऑफिस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसमें विभागों से आने वाली फाइले ऑफलाइन नहीं, ऑनलाइन ही आनी चाहिये। ये निर्देश उन्होंने समस्त जिला अधिकारियों को दिये। उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों से भी चर्चा की और कहा कि जिन लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, उन्हें और प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता हो तो प्राप्त कर सकते हैं। मई माह से सभी कार्यालयों की फाइले ऑनलाइन ही प्राप्त होनी चाहिये।

बिना सूचना के पल्लेदारों ने की हड़ताल, इधर प्रतिबोरी 25 रुपए और चोरी के विरोध में किसानों ने किया चक्का जाम

देर शाम तक नहीं सुलझा मामला, सेक्रेटरी ने कहा जब तक निराकरण नहीं, तब तक मंडी रहेगी बंद

सत्ता सुधार ■ सबलगढ़

कृषि उपज मंडी सबलगढ़ में काम करने वाले पल्लेदारों द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के बुधवार की सुबह अचानक हड़ताल कर दी गई और 25 प्रतिबोरी किसानों से मांगने लगे, जिस पर मंडी में मामला काफी गरमा गया। एक तरफ पल्लेदार हड़ताल पर थे तो दूसरी ओर सुबह 4-5 बजे से पर्वी कटाकर बैठे किसान भी आक्रामक हो गए और उन्होंने राम मंदिर चौराहे पर चक्का जाम कर दिया तथा कहा कि पहले 8 रूपए बोरी लगती थी, लेकिन पल्लेदार मनमानी करते हुए 25 रूपए बोरी मांग रहे हैं और किसान की चोरी भी करते हैं, इस तरह काम नहीं चलेगा। शासन-प्रशासन को समस्या का निराकरण करना होगा। देर शाम तक समस्या का निराकरण नहीं हुआ था और मंडी सचिव द्वारा किसानों को बोल दिया गया कि जब तक समस्या का हल नहीं होगा



तब तक मंडी बंद रहेगी। चक्का जाम कर रहे किसानों ने बताया कि अधिकांश किसान सुबह 5:00 बजे से ही मंडी में सरसों एवं अन्य अनाज लेकर पहुंच चुके थे और तमाम किसानों ने मंडी की रसीद भी कटवा ली। अचानक से पल्लेदारों ने प्रतिबोरी 25 रूपए की मांग करते हुए हड़ताल कर दी, जिससे दोपहर 2:00 बजे तक कोई बोरी नहीं लग सकी और जब बोरी नहीं लगी तो किसान आक्रोशित

व्यापारियों के संरक्षण के कारण पल्लेदार मनमानी कर रहे हैं। तपती धूप में दोपहर 2:00 बजे तक जब बोरी नहीं लगी तो किसानों ने राम मंदिर चौराहे पर ट्रैक्टर टॉली लगाकर चक्का जाम कर दिया तथा नारेबाजी करने लगे। बताया जाता है कि इस दौरान मौके पर तहसीलदार, पुलिस अधिकारी एवं मंडी प्रशासन के लोग, तमाम जनप्रतिनिधि भी वहां पहुंच गए, लेकिन इधर पल्लेदार 25 रूपए प्रतिबोरी से कम पर काम करने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं तो वहीं किसान इस मनमानी का विरोध कर रहे हैं। 2-3 घंटे तक किसानों द्वारा जाम लगाये जाने के बाद प्रशासन ने बमुश्किल जाम को खुलवा दिया है। इधर जब समस्या का निराकरण देर शाम तक नहीं हुआ तो मंडी सचिव द्वारा किसानों को बोल दिया गया है कि जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक मंडी बंद रहेगी, जिससे अब उन किसानों के सामने आर्थिक

इनका कहना है...

कैलारस में 10 रूपए एवं मुरैना में 12 रूपए प्रतिबोरी पल्लेदार लेते हैं, लेकिन यहां पर पल्लेदार सुबह से ही मूड बनाकर बैठे थे और उन्होंने अचानक 25 रूपए प्रतिबोरी डिमांड कर बिना सूचना के हड़ताल कर दी। चक्का जाम खुल गया है, लेकिन इस मामले में अभी समझौता नहीं हो सका है। व्यापारियों को बोला गया है कि वह पल्लेदारों को अपने हिसाब से संतुष्ट करें और मामले को सुलझाएं, जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक मंडी बंद रहेगी।

-विजेंद्र सिंह परमार, मंडी सचिव, सबलगढ़

संकट पैदा हो गया है जो फसल बेचकर अपने काम करने वाले थे।

लापरवाह अस्पताल प्रबंधन: अब जिला अस्पताल के सर्जरी ओटी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मरीजों को निकाला सुरक्षित बाहर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण आए दिन जिला अस्पताल के किसी न किसी वार्ड आईसीयू आदि में आग लगने के मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस समस्या के निराकरण के लिए कोई पहल नहीं की गई है। बुधवार की शाम सर्जरी ओटी के पास बिजली के बड़े बोर्ड में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे वार्ड में भर्ती मरीजों में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही अस्पताल के कर्मचारी मरीज को निकालने में जुट गए और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुरानी बिल्डिंग में बेतरतीब तरीके से बिजली की लाइन पड़ी हुई है, वहीं जहां-जहां बिजली के बोर्ड लगे हुए हैं, वहां भी तमाम खामियां हैं और उन्हीं के आसपास एसी फैन न लगे हुए थे। वह तो गनीमत थी कि वहां मौके पर फायर की 20-25 किट रखी हुई थी और कर्मचारियों ने तुरंत आग बुझाने के लिए दौड़ लगा दी, वहीं



सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई तथा थोड़ी देर के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया। प्रास जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में स्थित सर्जरी ओटी वार्ड में मरीज भर्ती थे। करीब 5:45 बजे वार्ड के पिछवाड़े लगे बिजली के बोर्ड में अचानक

आग लग गई। आग लगते ही बदबू एवं धुआं वार्ड में पहुंचा तो मरीज और उनके अटेंडर में खलबली मच गई। सूचना पाते ही अस्पताल के कर्मचारी मौके पर पड़े, लगभग दो दर्जन फायर किट लेकर आग बुझाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान एक कर्मचारी को हल्का सा करंट लगने की बात भी सामने आई है। सर्जरी वार्ड में

डीपी के यहां भरा पानी, गुजर रहे युवक की करंट लगने से दर्दनाक मौत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के दिमनी थाना अंतर्गत बड़ागांव नावली में बुधवार की सुबह युवक डीपी के पास से गुजर रहा था, जहां पानी भरा हुआ था। अचानक पानी में करंट फँ लने से युवक इसकी चपेट में आ गया और घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी गई है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। प्रास जानकारी के अनुसार बड़ा गांव नावली निवासी विकास रजक पुत्र सभाराम रजक 19 वर्ष गांव में एक डीपी के पास से गुजर रहा था, जहां भारी जल भराव था। जब वह पानी से होकर निकला तो उसमें करंट फँ ला हुआ था और उसकी चपेट में आने से विकास की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा देख ग्रामीण



एकत्रित हो गए तथा पुलिस एवं विद्युत विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक को अस्पताल लाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस द्वारा पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी गई है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम हेतु रंगोली सजाई एवं ली शपथ



सत्ता सुधार ■ जौरा

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जौरा के ब्लॉक समन्वयक बी डी शर्मा के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत रंगोली और शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाविद्यालय जौरा में किया। कार्यक्रम में कहा गया कि जल संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारे देश और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक आवश्यकता है। अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलावों को लागू करके और बड़े पहलों का समर्थन करके, हम सामूहिक रूप से अपने जल संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

हैं। जिम्मेदार लोगों के रूप में, हमें जल की कमी के मुद्दे के बारे में जागरूक होना चाहिए और अपने बच्चों को पाइपों और नलों में लीक को ठीक करके, उपयोग न होने पर नल को बंद करके और कम समय तक स्नान करके जल संरक्षण करना सिखाना चाहिए। वहीं प्रशांत शर्मा ने बताया कि जल संरक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पानी को कमी को कम करने, प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने और सभी के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करता है। यह जल उपचार और वितरण से जुड़ी ऊर्जा खपत को भी कम करता है।

अधिकारी पात्रता पर्ची की ई-केवायसी करायें: कलेक्टर

मुरैना। शासन के आदेशानुसार राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य किया जा रहा है। इसके लिये जिले में बहुत संख्या में ऐसे हितग्राही हैं, जिनकी पात्रता पर्ची की ई-केवायसी नहीं पाई है। इसके लिये समस्त जनपद सीईओ अपने-अपने क्षेत्र में पंचायतवार सूची निकालें कि अभी भी कितने हितग्राही ई-केवायसी से वंचित है। समस्त जनपद सीईओ अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन की जाने वाली ई-केवायसी की जानकारी जिले को भेजें। फूड विभाग प्रतिदिन एकजाई करके मुझे उपलब्ध करायें। इस कार्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक जनपद के अंतर्गत 01 हजार ई-केवायसी का आंकड़ा आना चाहिये। इसी प्रकार कलेक्टर ने समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में टीम गठित कर ई-केवायसी का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी निकायों में कल से प्रतिदिन 100-100 का आंकड़ा मुझे मिलना चाहिये।



गुना में हनुमान जयंती चल समारोह में हुई घटना को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गत 12 अप्रैल को गुना के कर्नलगंज में स्थित मदीना मस्जिद से श्री हनुमान जन्मोत्सव पर भीड़ ने योजनानुपूर्वक हमला किया। इस लोमहर्षक घटना से सभ्य समाज हतप्रभ है और इस घटना की घोर निंदा करता है। यह घटना भविष्य के खतरे की आहट है जिसे सामान्य कार्यवाही कर भुलाया नहीं जा सकता। उक्त घटना को लेकर विश्व हिंदू परिषद मुरैना द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा गया है। विश्व हिंदू परिषद के संयोजक सुनील सिकरवार एवं सदस्यों ने बुधवार को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि यह हमला सुनियोजित था। हमले के दौरान आमजन द्वारा मोबाइल से बनाए गए वीडियो के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि मस्जिद में पहले से ही



लोग जमा थे। उन्होंने जुलूस आता देखकर नारेबाजी शुरू की और आक्रामक होकर जुलूस में श्री हनुमान जी का वेश धारण कर चल रहे युवक से मारपीट की और जुलूस पर हमला कर मस्जिद और आसपास के घरों से पथराव कर दिया, जिससे भगदड़ मच गई और कई हिन्दू युवा

घायल हुए। विश्व हिंदू परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि हिन्दू जन मानस की भावनाओं का ध्यान रखते हुए इस ज्ञापन पर गंभीरता पूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश शासन के विभिन्न अधिकारियों को प्रदान करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

सभी स्कूलों का एमडीएम निरीक्षण कर पोर्टल पर अपलोड करें

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कहा है कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत सीएसी, बीएसी अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों में चल रहे एमडीएम का अवलोकन करें और उसे पोर्टल पर अपलोड कराये। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि स्कूलों में बच्चों की संख्या 40-45 प्रतिशत है, बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत रहे, इसके लिये शिक्षा विभाग का मैदानी कर्मचारी स्कूलों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्राथमिक विद्यालय 1884, माध्यमिक शालाये 551 संचालित है। जिनमें 1 हजार 26 हजार 363 छात्र-छात्राये प्राथमिक और 74 हजार 959 छात्र-छात्राये माध्यमिक विद्यालयों में दर्ज है। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 5 हजार 252 रसोईया कार्यरत है, जिनमें 3 हजार 825 प्राथमिक और 1 हजार 427 माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत है। इसके अलावा 265 शालाओं की संख्या जिनमें शाला प्रबंधन समिति द्वारा मध्यान्ह भोजन संचालित किया जा रहा है। 2 हजार 84 शालाओं में स्व-सहायता समूहों द्वारा मध्यान्ह भोजन और 86 शालाओं में केन्द्रीयकृत किचिन व्यवस्था के अंतर्गत एनजीओ द्वारा मध्यान्ह भोजन संचालित किया जा रहा है।



सरकारी बस स्टैंड के बाहर खड़े वृद्ध को ट्रक ने कुचला, दर्दनाक मौत, आरोपी फरार

सत्ता सुधार ■ मुरैना



के बाहर खड़ा हुआ था और कहीं जाना था, तभी धौलपुर की ओर से आ रहे ट्रक

क्रमांक आरजे 11 जीसी 8368 के चालक ने ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए केशव प्रजापति को जबरदस्त ठक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस दौरान वहां से गुजर रहे मृतक के समधी आदिराम प्रजापति ने हादसा देखा तो केशव को तत्काल एंबुलेंस के द्वारा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी है तथा रिपोर्ट पर से ट्रक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सीएम हेल्पलाइन की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, ऐसे लग रहा है कि अधिकारी सीएम हेल्पलाइन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। 20 अप्रैल को प्रदेश स्तर से सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग जारी होगी, जिसमें मुरैना जिला बॉटम में नहीं आना चाहिये। वर्तमान माह की सीएम हेल्पलाइन 80 प्रतिशत और 50 दिवस की शिकायतें रविवार तक निराकृत करें। ये निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने टीएल बैटक में मंगलवार को अधिकारियों को दिये। बैठक में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, समस्त एसडीएम, नगर निगम कमिश्नर सत्येंद्र धाकरे, समस्त जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय



निकायों के सीएमओ उपस्थित थे। कलेक्टर अंकित अस्थाना सीएम

रैंकिंग में पीएचई विभाग 78 पर और स्वास्थ्य विभाग 74 प्रतिशत तक सीएम हेल्पलाइन का निराकरण कर सका। यह स्थिति ठीक नहीं है, वर्तमान माह की 80 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण अधिकारी कराये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की 394 शिकायतें अभी भी पोर्टल पर दिख रही हैं, इनमें से अधिक से अधिक शिकायतें निराकृत होना चाहिये। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग की 17 शिकायतें पोर्टल पर दिख रही हैं, 80 प्रतिशत तक अधिकारी निराकरण कराये। उन्होंने योजना और कृषि विभाग के अधिकारियों को भी लॉबित शिकायतों को निराकरण करने के निर्देश दिये।

ब्रीफ न्यूज

पोषण पखवाड़े के तहत कार्यक्रम संपन्न

हरदा । महिला एवम बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष पोषण को जनांदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से माह मार्च अप्रैल में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 में सातवें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम 8 से 22 अप्रैल तक विभिन्न थीम पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इन्हीं निर्देशों के पालन में नगर के आंगनबाड़ी केन्द्र वाई क्रमांक 13 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाई की महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्र पर आमंत्रित कर पोषण व स्वास्थ्य संबंधी समझाइश दी। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती पूजा शर्मा द्वारा बताया गया कि गर्भावस्था में महिलाओं को विशेष देखरेख व पोषण की आवश्यकता होती है। एक स्वस्थ गर्भवती महिला ही स्वस्थ शिशु को जन्म दे सकती है। उन्होंने बताया कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को मां का दूध अवश्य पिलाये और 6 माह की आयु के बाद बच्चे को ऊपरी आहार देना प्रारम्भ करना चाहिए। डॉ पूजा शर्मा ने उनकी बेटी अनिका शर्मा का प्रथम जन्म दिन आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों के साथ मनाकर सभी बच्चों को केक व बिस्कुट का वितरण किया। कार्यक्रम में महिला एवम बाल विकास विभाग से पर्यवेक्षक सुभद्रा बरखने, संगीता राजपूत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ऋतु धनगर , सहायिका विमला सोनपुरे व वाई की महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे।

लोक अदालत के लिए जिला अधिवक्ता संघ के साथ बैठक संपन्न

हरदा। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार आगामी 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती तुति शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के सभागार में अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती शर्मा ने आगामी लोक अदालत में समझौता योग्य लंबित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण व पक्षकारों को लाभांशित कराने में अधिवक्ताओं द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने की अपील की गई। बैठक में नेशनल लोक अदालत के नोडल अधिकारी जयदीप सिंह द्वारा सिविल प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण और चेक अनारदरण के प्रकरणों के निराकरण हेतु मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही पैरालीगल वॉलेंटियर्स के माध्यम से भी पक्षकारों को समझाईश एवं समझौते कराये जाने के बारे में बताया गया।जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के अध्यक्ष संजय शांडिल्य के द्वारा पूर्व की भांति इस बार भी नेशनल लोक अदालत में सभी अधिवक्ताओ की ओर से अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। बैठक में जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, चंद्रशेखर राठौर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सौरभ कुमार डबे जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

ज्ञापन

ईडी की चार्जशीट के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा

सत्ता सुधार ■ खंडवा नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा चार्जशीट दावर किए जाने के विरोध में बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में खंडवा में भी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया और राज्यपाल के नाम एडीएम काशीराम बड़ोले को ज्ञापन सौंपा। दोपहर 2 बजे गांधी चौक पर एकत्रित होकर कांग्रेसजन कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने ईडी के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर बदले की कार्रवाई करने का आरोप लगाया। प्रेमांशु जैन ने बताया कि ईडी ने कांग्रेस से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में चार्जशीट दावर की है। इसके विरोध में कांग्रेस देशभर में ईडी कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन कर

विद्यार्थी मिल-जुलकर पढ़ाई करना चाहते हैं मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं : मलैया

50 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है

सत्ता सुधार ■ दमोह

स्व. चन्द्रकांत सोनवलकर की स्मृति में ग्रंथालय का एक्सटेंशन हुआ है, आज कल सिस्टम बदल गया है, विद्यार्थी मिल-जुलकर पढ़ाई करना चाहते है, मेरी बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामना? इसका पूरा लाभ विद्यार्थी उठायें । यह बात आज दमोह विधायक जयंत मलैया ने स्थानीय पुरानी कलेक्ट्रेट में ग्रंथालय के शुभारंभ अवसर पर कही। जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा ने कहा आज के समय में ट्रेंड चल गया है, कि बच्चे जो हैं, घर में उतनी अच्छी स्टडी नहीं कर पाते हैं, जितने की मिल-

जुल के लाइब्रेरी में इकट्ठे होकर अपने-अपने क्षेत्र में एक दूसरे से डिस्कशन करके वह कॉन्सन्ट्रेशन के साथ पढ़ सकते हैं। वैसी ही व्यवस्था हमारे यहाँ पर पूर्व में जिला पंचायत भवन में थी उसके बाद कलेक्टर श्री कोचर ने अतिरिक्त कक्ष वहाँ पर दिया। वहाँ पर भी विद्यार्थी बन नहीं पाए इसके बाद आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर सर ने यहाँ पर एक और रूम प्रदाय किया।

फर्नीचर दिया है, और बच्चों को अच्छी से अच्छी अध्ययन व्यवस्था मिले और वह आगे आने वाले कॉम्पिटिशन में सफल होकर अधिकारी बन सके इस तरीके का प्रावधान रखा गया है। लाइब्रेरियन मोहिनी ठाकुर ने बताया यह लाइब्रेरी पुरानी जिला

पंचायत में पहले से संचालित थी और यह वहाँ पर 200-250 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी लेकिन कलेक्टर सर और जिला शिक्षा अधिकारी श्री नेमा जी के सहयोग से और विधायक जी सबके सहयोग से एक और लाइब्रेरी यहाँ खोली गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की

गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की



गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की

गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की

गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की

गई है, जो महिला बाल विकास भवन के ठीक बाजू में व्यवस्थाएँ की गई हैं। अभी फिलहाल 50 छात्रों के लिए बैठने की व्यवस्था है, और जो बच्चे पहले आएँगे उनको पहले सीट मिल जाएगी। यहाँ पर सीट फिक्स रहेंगी। ऐसा नहीं रहेगा की

आवास योजना में 550 प्रकरणों के खिलाफ वसूली की कार्यवाही

सत्ता सुधार ■ हरदा

नगर पालिका अंतर्गत प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत पहली किश्त 150 लोगों को 1,00,000 रू मिलने के 5 वर्ष बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है। इसको लेकर नगर पालिका प्रशासन सख्त हो गया है। इसको गंभीरता से लेते हुए हितग्राही से पहले काम शुरू करने के लिए दबाव बनाया गया। जब इसके बाद भी काम नहीं शुरू किया गया तो अब वसूली की कार्यवाही शुरू कर दी है। ऐसे हितग्राहियों के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करारकर वसूली की कार्यवाही प्रचलन में है।

400 ने दूसरी किश्त लेकर नहीं पूर्ण किया काम

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करीब 400 हितग्राहियों ने आवास योजना की दूसरी किश्त ले ली और लंबा समय व्यतीत हो जाने के बाद भी काम पूर्ण नहीं किया है। बारंबार कोशिश के बाद भी निर्माण कार्य नहीं शुरू



किया तब नोटिस देकर वसूली की कार्यवाही शुरू की है। इससे हितग्राहियों में हड़कंप मच गया है।

11 फीसदी की बजाय 30 फीसदी को मिला आवास – प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को लाभ देने का एक निश्चित अनुपात निर्धारित है। जिसके ज्यादा हो जाने पर आवास योजना के विश्वसनीयता पर प्रश्न चिंह लग जाता है। नियमानुसार 11 फीसदी हितग्राहियों को आवास का लाभ मिलना चाहिए किंतु वर्तमान में करीब 30 फीसदी हितग्राहियों को आवास का लाभ दिया

चौबे कालोनी में सार्वजनिक रास्ता बेचने का भंडाफोड़

सी.एम.ओ. सेशिकायत कर की जांच की मांग

सत्ता सुधार ■ हरदा

नगर पालिका हरदा अंतर्गत चौबे कालोनी में कालोनईजर द्वारा सार्वजनिक रास्ता बिक्री करने का मामला प्रकाश में आया है। रविशंकर बेनियाल ने बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार सहित अनेक अधिकारियों को इस संबंध में पत्र लिखकर सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने की कार्यवाही को रूकवाने की मांग की है। चौबे कालोनी भूमि खसरा नंबर 58 के अंतर्गत आता है। जिस समय कालोनी काटी गई थी उस समय पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर जाने का रास्ता छोड़ा गया था। उस रास्ते को कालोनाइजर द्वारा अवैध रूप से नवोदय कोचिंग सेंटर के श्री कुशवाहा को बेचा जा रहा है। जो न्याय संगत नहीं है। इसकी जांच करारकर बिक्री की कार्यवाही को रोक जाय।

सार्वजनिक रास्ता बेचना नियम विरुद्ध – कालोनी के एक दर्जन से अधिक लोगों ने सी.एम.ओ. को पत्र लिखकर मांग की है कि जो कालोनी वासियों के लिए रास्ता छोड़ा गया है उसे



अवैध रूप से बेचना गलत है। कालोनाइजर ने अपने अधिकार सीमा से बाहर जाकर सार्वजनिक रास्ता बिक्री करके मुहल्ले वासियों के हक हित से खिलवाड़ किया है। जिसको लेकर कालोनी वासियों में आक्रोश का माहौल है। कालोनी के नक्शे का अपलोकन करके बिक्री की कार्यवाही करनी थी। ऐसा नहीं करके लोगों की परेशानी और समस्या को बढ़ा दिया गया है। इसकी जांच करारकर बिक्री कार्यवाही रूकवाने की मांग पर लोग अड़े हुए और इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं।

निस्तार प्रभावित होने से लोग परेशान – सार्वजनिक रास्ता बंद होने से दो दर्जन से अधिक लोगों का निस्तार प्रभावित होगा। कालोनाइजर ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नियम विरुद्ध

रास्ते पर रोका जाय निर्माण कार्य

सार्वजनिक रास्ते पर निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्य को रोकने के संबंध में सी.एम.ओ. को पत्र लिखकर सारे मामले की जांच करारकर कार्यवाही की मांग की गई है। कालोनाइजर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जानी चाहिए। क्रेता विक्रेता के साथ-साथ कालोनाइजर पर कार्यवाही की जानी चाहिए। कालोनी के रवि शंकर बेनियाल, राम शंकर, प्रकाश, नरेंद्र सिंह, राजेश गौर, रामजी आदि एक दर्जन लोगों ने सी.एम.ओ. को पत्र लिखकर कालोनाइजर की नीति नियति को स्पष्ट कर रास्ता अवरुद्ध न हो इसके ध्यान में रखते हुए उचित कार्यवाही की मांग की है। कार्यवाही नहीं हुई तो इसके विरुद्ध विरोध, प्रदर्शन, आंदोलन शुरू किया जायेगा जिसकी सारी जवाबदारी संबंधित जवाबदेह जिम्मेदार अधिकारी की होगी। श्री बेनियाल ने बताया कि इस संदर्भ में सी.एम.ओ कमलेश पाटीदार से बात होने पर बोला है कि वार्डवासियों द्वारा आपत्ति दर्ज करने पर हम उस पर कार्यवाही कर के उस मार्ग को यथावत रखने की कार्यवाही करेंगे।

यह कार्यवाही की है। पूरे मामले की जांच पड़ताल करारकर दौषियों के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए और लोगों का आवागमन जारी रहे और परेशानी ना बढ़े इस लिहाज से त्वरित कार्यवाही की जानी चाहिए।

कृषि विज्ञान केन्द्र हरदा के दल ने मृग की फसल का जायजा लिया

हरदा। ग्राम रहटाकला में कृषि विज्ञान केंद्र, हरदा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. मुकेश बंकोलिया ने विकासखंड खिरकिया के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी टी आर चौहान ,कृषि विस्तार अधिकारी आर के शुक्ले, कृषि विस्तार अधिकारी दीपक पंचोरिया के साथ बुधवार को मूंग फसल का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान मूंग फसल में कहीं कहीं इल्ली का प्रकोप देखने को मिला। ग्राम रहटाकला के कृषक के खेत का निरीक्षण किया।



पटेरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब सफाई अभियान जारी



सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुशील कुमार कोचर के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से पटेरा नगर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जलाशयों की सफाई हेतु चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान निरंतर जारी है। आज पटेरा के बस स्टैंड स्थित तालाब में श्रमदान के माध्यम से जलस्रोत की सफाई की गई। अभियान के तहत तालाब के पानी से चोई, सिंघाड़ा पत्ती, खरपतवार, पॉलिथीन जैसी अवांछनीय सामग्री को श्रमदान कर तालाब की सफाई की सीड़ियों पर उगी गाजर घास आदि को काटकर एकत्रित कर ट्रॉली में भरकर तालाब परिसर को स्वच्छ

किया गया। इस स्वच्छता कार्य में नगर परिषद पटेरा के सीएमओ सुंदरलाल सोनी, दुलीचंद, पुष्पेंद्र सोनी, मुन्ना लाल अवधिया, शंकर लाल तंतुवारा, हर प्रसाद चौरसिया, देवराज पटेल एवं बाबूलाल चौरसिया, कन्नु बंसल सहित नगर परिषद के कर्मचारी कमलेश नामदेव, दिनेश सेन, कृष्ण अहिरवार, मुकेश वाल्मिक, राजेश अहिरवार, राजकुमार वाल्मीकि आदि का सक्रिय योगदान रहा। करीब 30 स्थानीय लोगों ने डेढ़ घंटे का श्रमदान कर तालाब की सफाई में सहभागिता निभाई। यह अभियान न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ा रहा है।

सीएम हेलपलाइन में दर्ज शिकायतों का करें निराकरण: कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ हरदा

नवागत कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि सीएम हेलपलाइन में दर्ज शिकायतों का सतुष्टिपूर्ण ढंग से त्वरित निराकरण किया जाए । उन्होंने कहा कि शिकायत निराकरण से पूर्व आवेदक से चर्चा अवश्य करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता ज्ञानियां, संयुक्त कलेक्टर संजीव नाणू एवं सुश्री रजनी वर्मा सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे । कलेक्टर श्री जैन ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश



दिए कि मूंग फसल की नहरों से सिंचाई कार्य की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा विद्युत वितरण कंपनी और जल संसाधन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग करें, ताकि सिंचाई के लिए नहरों से अवैध तरीके से कोई पानी नहीं ले सके।

विधानसभा स्तरीय नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का हो रहा आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

जबरा विधानसभा के नगर नोहटा रानी अवंतीबाई परिसर में नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन 6 अप्रैल से शुरू हुआ था। जिसमें 32 टीमों ने हिस्सा लिया और प्रतिदिन शाम 6-०0 बजे से देर रात तक प्रतिदिन 6 मैचों का आयोजन किया जाता है। टूर्नामेंट के आयोजक नितेंद्र सिंह ने बताया कि मंत्री जी धर्मेन्द्र लोधी जी के निर्देशन में टूर्नामेंट का आयोजन



किया जा रहा है जिसमें जबरा विधानसभा से 32 टीमों को शामिल किया गया है। अभी लोग मैचों का आयोजन किया जा रहा है एवं 14 अप्रैल दिन सोमवार से क्वार्टर फाइनल का आयोजन किया जाएगा। युवाओं को शिक्षा और

संस्कारों के साथ खेलों का भी जीवन में बड़ा महत्व है जिससे शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। जिसका लाइव स्कोर चैलेंज प्लेस पर प्रसारित किया जा रहा है आप घर बैठे भी इस टूर्नामेंट का आनंद उठा सकते हैं।



रही है। अवधेश सिसोदिया ने कहा कि यह

मामला निजी शिकायत के आधार पर अदालत

सीएम योगी बोले: अब कस्बों में शुरू होंगी सिटी बसें, निजी ई-बस संचालकों को दिया जाएगा मौका

नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में भावी कार्य योजनाओं पर भी विचार-विमर्श कर जरूरी नर्देश दिए

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

सीएम योगी ने बुधवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश के कस्बों में सिटी बसें चलाने की बात कही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिटी बस सेवा में निजी ई-बस संचालकों को भी मिले मौका देने का निर्देश दिया है। उन्होंने किराया, पार्किंग, रूट भी सुनिश्चित करने तथा बड़े शहरों के पास के कस्बों तक मिले निजी सिटी ई-बस सेवा शुरू करने को भी कहा, ताकि आमजन को इसका लाभ मिल सके।

सीएम बुधवार को नगर विकास विभाग में संचालित परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने भावी कार्य योजनाओं पर भी विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ ईंधन वाली बसों



को नगरीय परिवहन में प्रोत्साहित करने के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। वर्तमान में 15 शहरों में 700 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। यह सुनिश्चित किया जाए कि 15 वर्ष से अधिक समय तक किसी भी डीजल एवं सीएनजी

बसों का उपयोग न हो। इन्हें स्कूप कराएं। इनके स्थान पर ई-बसें लाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रदेश में कहीं भी अवैध विज्ञापन होर्डिंग नहीं लगने का निर्देश देते हुए कहा कि खतरनाक होर्डिंग के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड को वरीयता दें। अवैध होर्डिंग तत्काल हटवाएं। सभी नगरीय निकायों के लिए स्पष्ट नियमावली होनी चाहिए, जो आय का अच्छा माध्यम भी बनेगा। यह सुनिश्चित कराएं कि विज्ञापन होर्डिंग किसी महापुरुष की प्रतिमा या चित्र को विकृत न करता हो। शहरों में वाहन पार्किंग बढ़ी चुनौती है। पार्किंग को मांग, स्थान और समय के अनुरूप व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है। शुल्क में समरूपता होनी चाहिए। स्थानीय व्यापारियों, दुकानों, कार्यालयों में काम करने वाले

कर्मचारियों आदि का मासिक पास बने। यह सुनिश्चित कराएं कि कहीं भी पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली न हो। उन्होंने जिला मुख्यालय वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट नगर निकाय के रूप में अपडेट करने का निर्देश भी दिया। इनमें डिजिटल गर्बेज, वैल्यू एडेड सिटीजन सर्विस जैसे वायु और जल प्रदूषण की मॉनीटरिंग, जलभराव की समस्या, स्मार्ट पार्किंग, स्मार्ट लाइट मैनेजमेंट, प्रदर्शनी स्थल, ऑडिटोरियम, वेंडिंग जोन, डिजिटल लाइब्रेरी, नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन जैसे इज ऑफ लिविंग के दृष्टिगत उपयोगी कार्य होंगे। इन निकायों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो। इस संबंध में बजट आवंटित किया गया है। विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। साथ ही, सभी नगर निकायों में नामांतरण, पंजीजन और वसीयत आदि की समान प्रक्रिया और शुल्क सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया।

वाराणसी और प्रयागराज का म्युनिसिपल बॉन्ड जल्द

सीएम ने कहा कि सभी नगर निकायों को अपनी आय बढ़ाने के ठोस प्रयास करने होंगे। लखनऊ, गाजियाबाद और आगरा के बाद इसी माह वाराणसी और प्रयागराज नगर निगम का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी होने वाला है। इसी वित्तीय वर्ष में गोरखपुर, मेरठ और कानपुर नगर निगमों का म्युनिसिपल बांड भी जारी करने की तैयारी करें। स्ट्रीट लैंग के काटने की समस्या गंभीर होती जा रही है, इसका स्थायी समाधान करें। नगर निकायों में मैगपॉवर की कमी नहीं होनी चाहिए। रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करें। जहां आउटसोर्सिंग से तैनाती होनी हो, बिना विलंब प्रक्रिया पूरी करें। बरसात शुरू होने से पूर्व सभी नगरीय निकायों में ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर कर लिया जाए। कहीं भी जलभराव न हो। योगी ने कहा कि प्रयागराज में वेस्ट मैटीरियल से तैयार शिवालिक पार्क श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र का अच्छा मॉडल है।

ब्रीफ न्यूज

दोहरे हत्याकांड के आरोपी ने बुजुर्ग पर किया खूनी हमला

बलियार। धारदार हथियार से बुजुर्ग पर हमला करने के आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। खबर लिखे जाने तक विवाद का कारण पता करने की कोशिश चल रही थी। आरोपी ने इससे पहले अपने भाई और उसके पत्नी की हत्या की थी। बलिया के गड़वार थाना क्षेत्र के अमडरिया गांव में बुधवार की सुबह खेत में शौच करने जा रहे गांव निवासी जनार्दन राम (60) पुत्र स्व. बाल गोविंद राम को रास्ते में रोककर गांव के ही राधेश्याम (55) पुत्र स्व. प्रभु ने धारदार हथियार से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। जनार्दन राम के चिल्लाने पर गांव वाले मौके पर पहुंचे और किसी तरह से उनकी जान बचाई।

50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, मुठभेड़ में घायल

गाजीपुर। पुलिस बदमाश को गिरफ्तार करने पहुंची तो उसने डबल मर्डर में प्रयुक्त आलाकल को दूसरी जगह छिपाने की बात कही। उसे लेकर पुलिस बताए स्थान पर पहुंची तो उसी कट्टे से बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। गाजीपुर के खानपुर पुलिस थाना क्षेत्र के उचौरी डबल मर्डर का आरोपी और 50 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आरोपी के कब्जे से पिस्टल, 2 खोखा कारतूस और एक कारतूस बरामद किया। पुलिस को मुखबि से सूचना मिली कि डबल मर्डर में शामिल आरोपी और उचौरी निवासी शाहिल उर्फ बिल्लू का हाथ-पैर बंधाकर किसी ने उचौरी में छोड़ दिया है। अभियुक्त को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी खानपुर ले ले गई। स्वाट टीम को भी बताया।

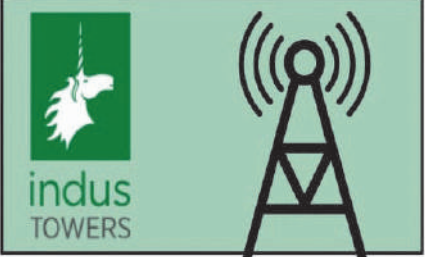
प्रेम विवाह का विरोध: बेटे ने चाकू से गोदकर की मां की हत्या

कानपुर। कानपुर में कल्युगी बेटे ने मां की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बेटे ने प्रेम विवाह का विरोध करने पर उठया ये कदम। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की है। मृतका की शिनाख्त प्रमिला (50) पत्नी रुस्तम उर्फ धर्मेद निवासी रिफ्यूजी कॉलोनी, फतेहपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा कि बुद्ध महिला अपने दांत का इलाज कराने अपनी बेटी प्रीतू सिंह पत्नी सौरभ निवासी नारायणपुरी थाना हनुमंत विहार के घर 10 दिन पहले आई थी। बुधवार सुबह करीब 10 बजे मृतका के सगे पुत्र राजा सिंह (28) ने अपनी मां की चाकू से वार करके हत्या कर दी। घटना हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के नारायणपुरी इलाके की है।

बीएचयू ने रचा नया आयाम: केमेस्ट्री में ऑल इंडिया तीसरी रैंक, एआई पर 5,535 रिसर्च

वाराणसी। रिसर्च के मामले में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने नया आयाम रचा है। उसे भारत में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। रसायन विज्ञान को बीएचयू का सर्वश्रेष्ठ विषय बताया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर भी यहां रिसर्च पेपर प्रकाशित हो रहे हैं। रसायन विज्ञान के रिसर्च के मामले में बीएचयू का भारत में तीसरा स्थान है। एशिया में 90वां और दुनिया में 362वीं रैंकिंग है। 32 साल में रसायन विज्ञान के 39,513 रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं। वैज्ञानिकों का साइटेशन 1,055,756 है। ये आंकड़ा अमेरिकी शैक्षणिक संस्थान एजुरैक की ओर से जारी किया गया है।

घर बैठे कमाए



सरकारी मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट छत पर 5g टावर लगावा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी नक्शा ऑफिस आये या घर बैठे ऑनलाइन सर्व पास कराएं

 **8319401203**
9407780635

SAI GRACE TUTORIALS
AN INSTITUTE OF MATHEMATICS & SCIENCE
Specially For Class 9th & 10th



ADMISSION OPEN

Simplifying Science
P.L.KUSHWAH
19 YEARS OF TEACHING EXCELLENCE...
9993636576
101, Saraswati Nagar, University Road

Decoding Maths
ATUL PAREEK
16 YEARS OF TEACHING EXCELLENCE...
9993387522
234-A above SBI Patel Nagar, City Centre

कार में टक्कर से नाराज युवक चालक ने रैंडकर मार डाला
कानपुर। कानपुर में घाटमपुर थाना क्षेत्र के अज्योरी गांव के पास हाईवे पर मंगलवार को डोंर ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर मारकर भाग रहे डोंर का कार चालक का पीछा करने पर चालक ने कार चालक को कुचल दिया और मौके से भाग निकला।



CORPORATE Gifting Solution



GIFTS लो

TOH SIRF HUMSE

 **+91 - 9993106789, 7771000255**

 **giftslo123@gmail.com**

OUR PRODUCTS

- Customised Wallet
- Customised Pen
- Customised Keychain
- Customised Bottle
- Customised Mug
- Customised Ring
- Customised Pendant
- Customised Passport Cover
- Customised Sunglasses Holder
- Customised Bracelet
- Customised Cap
- Customised Hampers

ALL TYPE OF CUSTOMISED ITEMS AVAILABLE